* 19th Year
* Issue: 195
* 16.11.2025 (SUNDAY)
* ROURKELA
* R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
* (Pages-6)
* Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक कलिंग समाचार

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISGARH

बिहार दुनिया को राजनीति सिखाता है, पीएम मोदी बोले- कांग्रेस को अब कोई नहीं बचा सकता, बिहार ने दिया जवाब

नयी दिल्ली १५/११ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों को बिहार दुनिया को राजनीति सिखाता हैü बताते हुए स्पष्ट किया कि जनता ने जातिवाद का जहर फैलाने वालों को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को देश अस्वीकार कर चुका है और अब उसे कोई नहीं बचा सकता, क्योंकि उसके राष्ट्रीय विचारों वाले नेता भी नेतृत्व से दुखी हैं। यह परिणाम बिहार में विकास की राजनीति की जीत और जातिवादी विचारधारा की हार का प्रतीक है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने दिखा दिया है कि जनता ने जातिवाद का जहर उगलने वालों को नकार दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि नया %माई%

फॉर्मूला महिला और युवा हैं, जिन्होंने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को निर्णायक जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार का ऐतिहासिक विजय हुआ हो, और अगर हम सूरत से आगे जा रहे हों और बिहार के लोगों से मिले बिना जाएं, तो लगता है यात्रा अधूरी रह गई है। इसलिए गुजरात में रहने वाले और खासकर सूरत में रहने वाले मेरे बिहारी भाइयों का हक बनता है, और इसलिए, मेरी स्वाभाविक जि मेदारी भी बनती है कि आप लोगों के बीच आकर के इस विजयोत्सव के कुछ पल का मैं भी हिस्सा बनूं। मोदी ने आगे कहा कि आप भी जानते हैं और बिहार के लोग भी जानते हैं कि हम वो पार्टी हैं जब आपने हमें गुजरात में मु यमंत्री के रूप में भी काम दिया था तब भी हमारा एक मंत्र था कि भारत के विकास के लिए गुजरात का विकास। हमारी मूलभूत सोच रही है- नेशन फर्स्ट। यही मंत्र हमारे लिए हिंदुस्तान का हर कोना, हिंदुस्तान का हर राज्य, हर भाषा-भाषी नागरिक... ये हमारे लिए पूजनीय है, वंदनीय है। इसलिए बिहार का भी गौरव करना, बिहार के सामर्थ्य को स्वीकार करना... ये हमारे लिए बहुत सहज बात है।

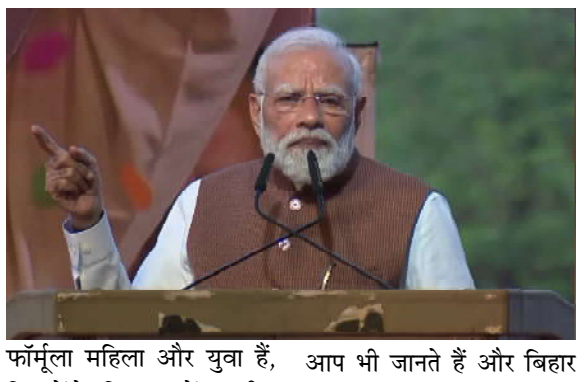

मोदी ने कहा कि इस चुनाव में एनडीए गठबंधन जो विजयी हुआ है और महागठबंधन जो पराजित हुआ है... दोनों के बीच 10 प्रतिशत वोट का फर्क है, ये बहुत बड़ी बात है। यानी, सामान्य मतदाता ने एकतरफा मतदान किया, ये बिहार के विकास के प्रति ललक है। उन्होंने कहा कि बिहार आज दुनिया भर में छाया हुआ है। आप दुनिया में कहीं भी जाइए, बिहार की टैलेंट आपको नजर आएगी।

अब बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का मिजाज दिखा रहा है। इस चुनाव में उस मिजाज के दर्शन हुए हैं। महिला-युवा एक ऐसा माई कॉ बिनेशन बना है, जिसने आने वाले दशकों की राजनीति का नींव मजबूत कर दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो साल से ये जमानती नेता बिहार में जाकर जातिवाद-जातिवाद का भाषण दे रहे थे। जितनी ताकत थी उन्होंने जातिवाद का जहर फैलाने की कोशिश की। लेकिन बिहार के इस चुनाव ने जातिवाद के इस जहर को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि ये मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को देश अस्वीकार कर चुका है। कांग्रेस पार्टी में जो राष्ट्रीय विचारों से पले-बढ़े लोग हैं, ऐसे कांग्रेस का बहुत बड़ा वर्ग... नामदार के हरकतों से दुखी है। कांग्रेस को अब कोई बचा नहीं सकता है, ऐसी हालत हो गई है।

मोदी ने कहा कि बिहार में, सार्वजनिक भूमि पर अक्सर अतिक्रमण करके उसे वक्फ संपत्ति बना दिया जाता था। हमने तमिलनाडु में भी ऐसी ही स्थिति देखी, जहाँ सदियों पुराने गाँवों को भी वक्फ घोषित कर दिया गया। तभी हमने वक्फ कानून में सुधार किए। एक नेता जो अब ज़मानत पर बाहर है, अपने सहयोगियों के साथ कानून की प्रतियां फाड़कर कहता था कि वे बिहार में इसे कभी नहीं होने देंगे। लेकिन बिहार की जनता ने इस सांप्रदायिक ज़हर को पूरी तरह से नकार दिया और विकास का रास्ता चुना।

लाल किला ब्लास्ट की जाँच में बड़ा खुलासा, हिरासत में लिए गए आतंकी उमर के करीबी डॉक्टर-छात्र

नयी दिल्ली १५/११ (संवाददाता): लाल किला विस्फोट और %सफेदपोश आतंकी नेटवर्क% की जाँच जैसे-जैसे गहरी होती जा रही है, दिल्ली पुलिस ने रात भर छापेमारी के बाद हरियाणा के नूह से एक डॉक्टर और एक एमबीबीएस छात्र को हिरासत में लिया है। इन दोनों व्यक्तियों - डॉ. मुस्तकीम और मोह मद - के विस्फोट मामले के मु य संदिग्ध डॉ. उमर उन नबी से घनिष्ठ संबंध होने का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, चीन से एमबीबीएस की डिग्री हासिल करने वाले डॉ. मुस्तकीम फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय में इंटर्नशिप कर रहे थे, जहाँ से पुलिस ने हाल ही में विस्फोटकों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया था।

मोहमद अल फलाह विश्वविद्यालय में एमबीबीएस का छात्र था। उसने कथित तौर पर जाँचकर्ताओं को बताया है कि वह और डॉ. मुस्तकीम दोनों संदिग्ध आतंकवादी उमर से

परिचित थे। पुलिस ने कहा कि डॉक्टर से पूछताछ जारी है और जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि विस्फोटकों की खरीद में दोनों की कोई भूमिका थी या नहीं। हाल के दिनों में, डॉक्टरों समेत कुल पाँच लोगों को इस क्षेत्र से हिरासत में लिया गया है। इनमें सोहना के दो खाद और बीज भंडार मालिक भी शामिल हैं, जिन पर ऐसे रसायनों की आपूर्ति करने का संदेह है जिनका इस्तेमाल आतंकी मॉड्यूल द्वारा किया गया हो सकता है। अल फलाह मेडिकल कॉलेज से स्नातक एक अन्य डॉक्टर, डॉ. रिहान को हाल ही में नूंह में गिर तार किया गया था।

शुक्रवार रात दिल्ली पुलिस ने हरियाणा के धौज, नूंह और आसपास के इलाकों में व्यापक छापेमारी की, जिसमें केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी भी शामिल थे। लाल किला विस्फोट की जाँच कर रही राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए), जिसमें 13 लोग मारे गए थे, व्यापक आतंकी नेटवर्क की भी जाँच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, कई डॉक्टरों सहित कई लोगों को %सफेदपोश आतंकी नेटवर्क% के तहत गिर तार किया गया है।

बिहार के चुनाव नतीजों पर राहुल, खरगे ने किया मंथन

नयी दिल्ली १५/११ (संवाददाता): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर चर्चा की। बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा है।कांग्रेस सिर्फ छह सीट पर सिमट गई है।

सूत्रों ने बताया कि इस दौरान कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन और पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू भी मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेताओं ने

बिहार में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर चर्चा की। पार्टी ने बिहार में 61 सीट पर चुनाव लड़ा था और केवल छह सीट ही जीत पाई।

वर्ष 2010 के बाद बिहार में पार्टी का यह दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन था। उसने 2010 में केवल चार सीट जीती थीं। पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे को चौंकाने वाला करार दिया था और कहा था कि विपक्षी गठबंधन एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सका, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। उन्होंने यह भी कहा था कि कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन इस परिणाम की गहराई से समीक्षा करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली १५/११ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को शनिवार को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। बिरसा मुंडा की जयंती पूरे देश में 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाई जाती है। वर्तमान झारखंड में 1875 में जन्मे मुंडा ने ब्रिटिश शासन को चुनौती दी और उन्हें आदिवासियों को उसके विरुद्ध संगठित करने का श्रेय दिया जाता है। उनका 25 वर्ष की अल्पायु में ब्रिटिश हिरासत में निधन हो गया था। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''देश के महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा जी को उनकी 150वीं जयंती पर शत-शत नमन।'' उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के इस पावन अवसर पर पूरा देश मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनके अतुलनीय योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहा है।मोदी ने कहा, ''विदेशी हुकूमत के अन्याय के खिलाफ उनका संघर्ष और बलिदान हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।''

हार का साइड इफेक्ट: लालू परिवार में टूट, रोहिणी ने राजनीति से लिया संन्यास, परिवार से भी नाता तोड़ा

पटना १५/११ (संवाददाता): लालू प्रसाद यादव की बेटी और तेजस्वी यादव की बहन रोहिणी आचार्य ने शनिवार को घोषणा की कि वह बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों में राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन की हार के एक दिन बाद राजनीति छोड़ रही हैं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हैं। रोहिणी आचार्य ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि संजय यादव और रमीज ने उन्हें राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने के लिए कहा है, इसलिए वह सारा दोष अपने ऊपर ले रही हैं। रोहिणी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूँ और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूँ... संजय यादव और रमीज ने मुझसे यही करने को कहा था... और मैं

सारा दोष अपने ऊपर ले रही हूँ।2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में करारी हार के एक दिन बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने शनिवार को कहा कि उतार-चढ़ाव तो आना ही है, और कहा कि यह गरीबों की पार्टी है और उनके मुद्दों और आवाज़ों को उठाती रहेगी। पार्टी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि जनसेवा एक अनवरत प्रक्रिया है, एक अंतहीन यात्रा है! इसमें उतार चढ़ाव आना तय है। हार में विषाद नहीं, जीत में अहंकार नहीं! राष्ट्रीय जनता दल गरीबों की पार्टी है, गरीबों के बीच उनकी आवाज़ बुलंद करते रहेगी! बिहार विधानसभा चुनाव के बीच जब तेजस्वी यादव को महागठबंधन में शामिल सहयोगियों की इच्छा के विपरीत मु यमंत्री पद का उ मीदवार घोषित किया गया था तब शायद कुछ लोगों ने ही कल्पना की होगी कि शानदार चुनावी आगाज करने वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता के नेतृत्व में उनकी पार्टी को इस अकल्पनीय हार का सामना करना पड़ेगा।

बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर हलचल तेज, सीएम नीतीश से मिले संजय झा और ललन सिंह

पटना १५/११ (संवाददाता): 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों ने निर्णायक फ़ैसला सुनाया है, जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने भारी जीत हासिल की है। मु यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में इस गठबंधन ने 243 में से 202 सीटें हासिल कीं, जिससे राज्य में उनका लगातार पाँचवाँ कार्यकाल सुनिश्चित हो गया। वहीं, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद संजय कुमार झा पटना में सीएम आवास पहुंचे। इसके बाद उन्होंने कहा कि हमें बहुत बड़ा जनादेश मिला है और जेडी(यू) इस जनादेश को पूरी विनम्रता से स्वीकार करते हैं। हमारे नेता और पूरा एनडीए घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करेगा। ये 5 साल युवाओं के लिए हैं; हमने 1 करोड़ नौकरियों और रोजगार के अवसरों की बात कही है।

संजय कुमार झा ने कहा कि पीएम ने सभी निवेशकों से बिहार आने और यहां उद्योग लगाने का आह्वान किया है। यही समय है। मुझे लगता है कि यह बिहार के गौरव की पुनर्स्थापना का क्षण है। 20 वर्षों में, नीतीश कुमार ने एक आधार स्थापित किया। एक और छलांग की जरूरत है। वह छलांग इन 5 वर्षों में ली जाएगी। बिहार शीर्ष 10 राज्यों में शामिल होगा। केंद्रीय मंत्री और जेडी(यू) सांसद राजीव रंजन (ललन) सिंह पटना में सीएम आवास पहुंचे। भाजपा के नितिन नवीन ने कहा कि इसका श्रेय बिहार की जनता को जाता है। मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि मैं हमारे नेताओं नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार, जीतन राम मांझी, चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा, राज्य नेतृत्व और केंद्रीय नेतृत्व, विशेष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और हमारे सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ... इस जीत से यह स्पष्ट है कि जनता विकास बिहार विधानसभा चुनाव क्रमशः 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में हुए थे। बिहार में ऐतिहासिक 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 1951 के बाद से सर्वाधिक है।

बिहार चुनाव में वोट चोरी का आरोप, कांग्रेस बोली-अप्रत्याशित नतीजे, हुई बड़ी धांधली!

नयी दिल्ली १५/११ (संवाददाता):कांग्रेस ने अपने वोट चोरी के आरोपों को फिर से हवा दे दी है। इस बार यह बिहार चुनाव को लेकर है। बिहार में महागठबंधन की करारी हार के एक दिन बाद, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया।

पार्टी ने एक पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी-अमित शाह के इशारे पर चुनाव आयोग ने बिहार में स्क्रक के ज़रिए 69 लाख वोट हटा दिए। जिन लोगों के वोट हटाए गए, वे विपक्षी मतदाता थे। उन्हें निशाना बनाकर मतदाता सूची से हटा दिया गया। यह साफ़ तौर पर वोट चोरी है।

पार्टी ने एक्स पर लिखा कि पूरे देश ने देखा कैसे क्ष्ठक्च के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग राज्यों में वोट डालने के बाद भी बिहार में जाकर वोटिंग की।

क्ष्ठक्चके कार्यकर्ताओं ने पहले दिल्ली, उत्तराखंड, बेंगलुरु, हरियाणा चुनाव में वोट किया, फिर उन सभी ने बिहार में भी वोट किया। इसमें लिखा कि चुनाव के बीच क्ष्ठक्चने स्पेशल ट्रेनें चलवाईं, जिसमें लोगों को टिकट दिलवाकर और गले में पटका पहनाकर अलग-अलग राज्यों से बिहार भेजा गया, ताकि वो क्ष्ठक्च को वोट दे सकें।

इसके साथ ही पार्टी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने बिहार चुनाव की घोषणा के दिन यानी 6 द्धष्ह्लश्ड्ढद्गह्म् को प्रदेश में 7.42 करोड़ वोटर बताए। वहीं, वोटिंग के बाद यानी 11 द्धश्-1द्वद्बद्गह्म् को वोटरों की सं या बढ़कर 7.45 करोड़ हो गई। सवाल है- बिहार चुनाव के बीच अचानक से 3 लाख वोटर कैसे बढ़े?

बिहार में स्क्रक्की फाइनल लिस्ट आने के बाद रिपोर्टर्स कलेक्टिव को अपनी जांच में करीब 1.32 करोड़ से ज्यादा संदिग्ध वोटर मिले। 39 विधानसभा सीटों पर संदिग्ध वोटों की सं या 3.76 लाख थी और इसमें से करीब 1.88 लाख नाम ऐसे हैं, जो लिस्ट में दो बार दर्ज थे।

कांग्रेस की ओर से कहा गया कि बिहार में स्क्रक्के दौरान चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट एंट्री पकड़ने वाले सॉ टवेयर का इस्तेमाल नहीं किया। नतीजा ये हुआ कि बिहार की वोटर लिस्ट में करीब 14.35 लाख फर्जी वोटर जुड़ गए। कहा गया है कि बिहार में आचार संहिता लागू होने के बाद भी मोदी-नीतीश सरकार ने महिलाओं को 10,000 रुपए भेजना जारी रखा। खासतौर पर ये किस्तें वोटिंग के दिनों के आसपास भेजी गईं। मगर चुनाव आयोग ने कोई एक्शन नहीं लिया, क्योंकि ये खुद इस %वोट चोरी% की मिलीभगत में शामिल हैं।

वहीं, अजय माकन ने कहा कि देश में चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं और जब ऐसा होगा तो नतीजे इस तरह के अप्रत्याशित होंगे ही। बिहार चुनाव में क्ष्ठक्चका स्ट्राइक रेट 90त्न से ज्यादा है। किसी ने इसकी उ मीद नहीं की थी। दाल में कुछ तो काला है। हमने अपने गठबंधन सहयोगियों से बात की है, उनका मानना ??है कि ये अप्रत्याशित नतीजे हैं और इनकी जांच होनी चाहिए। हमें बिहार भर के कार्यकर्ताओं से फ़ोन आ रहे हैं कि गड़बड़ी हुई है। मारे लोग डेटा इकट्ठा कर रहे हैं। हम फ़ॉर्म 17ष्ट, मतदाता सूची देखेंगे और फिर तथ्यों और आंकड़ों के साथ आपके पास आएंगे। हमने कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा से जुड़े सबूत सामने रखे, लेकिन चुनाव आयोग के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। हम लोकतंत्र की रक्षा करने की अपनी भूमिका निभाते रहेंगे, उससे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

विविध समाचार

बिहार हार के बाद राजद की पहली प्रतिक्रिया, उतार-चढ़ाव तो आना ही है, गरीबों के लिए लड़ते रहेंगे

पटना १५/११ (संवाददाता): 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में करारी हार के एक दिन बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने शनिवार को कहा कि उतार-चढ़ाव तो आना ही है, और कहा कि यह गरीबों की पार्टी है और उनके मुद्दों और आवाज़ों को उठाती रहेगी। पार्टी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि जनसेवा एक अनवरत प्रक्रिया है, एक अंतहीन यात्रा है! इसमें उतार चढ़ाव आना तय है। हार में विषाद नहीं, जीत में अहंकार नहीं! राष्ट्रीय जनता दल गरीबों की पार्टी है, गरीबों के बीच उनकी आवाज़ बुलंद करते रहेगी!

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच जब तेजस्वी यादव को महागठबंधन में शामिल सहयोगियों की इच्छा के विपरीत मु यमंत्री पद का

उ मीदवार घोषित किया गया था तब शायद कुछ लोगों ने ही कल्पना की होगी कि शानदार चुनावी आगाज करने वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता के नेतृत्व में उनकी पार्टी को इस अकल्पनीय हार का सामना करना पड़ेगा।

महज 25 साल की उम्र में उपमु यमंत्री बनने के 10 साल बाद पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद के उत्तराधिकारी ने कई दौर में पिछड़ने के बाद भले ही राजद के गढ़ राघोपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सतीश कुमार को हराकर जीत हासिल कर ली लेकिन उनके नेतृत्व में राजद इस चुनाव में सिर्फ 25 सीटों पर सिमट गया।

तेजस्वी ने एक क्रिकेटर के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी लेकिन इस खेल में वह उड़ान नहीं भर सके। इसके बाद राजनीति में कदम रखते हुए उन्होंने एक नयी शुरुआत की और सफलता भी हासिल की लेकिन बिहार के सबसे शक्तिशाली परिवार के इस वंशज ने सपने भी नहीं सोचा होगा कि उनके नेतृत्व में पार्टी का यह हश्र हो जाएगा कि उसे विपक्षी दल का तमगा हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। उन्होंने 2015 में राजनीति में प्रवेश करने से कुछ साल पहले क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। जल्द ही, लालू ने यह स्पष्ट कर दिया कि तेजस्वी ही उनके चुने हुए उत्तराधिकारी होंगे। पिछले विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उन्हें नीतीश कुमार सरकार में उपमु यमंत्री नियुक्त किया गया।

हालांकि, तेजस्वी की किस्मत में कुछ और ही था। उनका नाम कथित अवैध भूमि लेनदेन से संबंधित धनशोधन मामले में सामने आया, जब उनके पिता संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-1 सरकार में रेल मंत्री थे।

जब यह कथित घोटाला हुआ तब तेजस्वी किशोरावस्था में थे। इसे लेकर भारी विरोध हुआ और नीतीश कुमार ने राजग में लौटने से पहले राजद से नाता तोड़ लिया। साल 2020 के बिहार चुनाव में 75 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरे राजद की सं या इस चुनाव में घटकर आधे से भी कम रह गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि नौ भाई-बहनों में दूसरे सबसे छोटे तेजस्वी सत्तारूढ़ गठबंधन के इस दावे का मुकाबला करने में पूरी तरह से विफल रहे कि राजद के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत का मतलब 'जंगलराज' की वापसी होगा।

मंच पर राजद उ मीदवारों की कथित अनुचित बातों, नाबालिग लड़कों द्वारा 'रंगदार' बनने और 'कट्टा' (देश में बनी बिना लाइसेंस वाली पिस्तौल) लहराने की महत्वाकांक्षा जताए जाने पर पार्टी नेतृत्व ने आपत्ति भी नहीं जताई, जिससे 'जंगलराज' की कहानी को और बल मिला। ऐसा लगता है कि यादव ने 20 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद अपने पूर्व बॉस और अपने पिता के धुर प्रतिद्वंद्वी नीतीश कुमार का आकलन करने में भी गलती की।

पटना में नीतीश से मिले चिराग पासवान, राजग के ऐतिहासिक जीत पर दिया बड़ा बयान

पटना १५/११ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने शनिवार को अपनी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के साथ बिहार के मु यमंत्री नीतीश कुमार से पटना स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। पासवान ने बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार सफलता पर मु यमंत्री नीतीश कुमार को शुभकामनाएं दीं। मु यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद चिराग पासवान ने संवाददाताओं से कहा कि मैंने मु यमंत्री से मुलाकात की, उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इसलिए, लोजपा (रालोद) के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की और उन्हें बधाई दी।केंद्रीय मंत्री ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मु यमंत्री

नीतीश कुमार ने एनडीए में हर सहयोगी दल की भूमिका की सराहना की। उन्होंने विपक्ष पर जेडी(यू) और एलजेपी (आरवी) के बीच एक झूठी कहानी गढ़कर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि मु यमंत्री ने एनडीए में हर सहयोगी दल की भूमिका की सराहना की। उन्होंने वोट देने गए एलजेपी (आरवी) उ मीदवार का समर्थन किया। अलौली में, जहाँ मैं वोट करता हूँ, मैंने जेडी(यू) उ मीदवार का समर्थन किया। इससे पता चलता है कि वे जेडी(यू) और एलजेपी (आरवी) के बारे में गुमराह कर रहे थे और सिर्फ़ एक झूठी कहानी गढ़ रहे थे।

एनडीए ने 2025 के बिहार चुनावों में ऐतिहासिक भारी जीत दर्ज की, राज्य की 243 सीटों में से 202 सीटें जीतीं; वहीं, महागठबंधन केवल 35 सीटें ही हासिल कर सका। एनडीए ने 243 सदस्यीय सदन में तीन-चौथाई बहुमत हासिल किया। यह दूसरी बार है जब एनडीए ने विधानसभा चुनावों में 200 का आंकड़ा पार किया है। 2010 के चुनावों में इसने 206 सीटें जीती थीं। एनडीए में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 89 सीटें, जनता दल (यूनाइटेड) ने 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) (एलजेपीआरवी) ने 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) (ह स) ने पाँच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने चार सीटें जीतीं।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने 25 सीटें, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 6, भारतीय क युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (लिबरेशन) - सीपीआई (एमएल) (एल) - दो, भारतीय समावेशी पार्टी (आईआईपी) - एक, और भारतीय क युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) - सीपीआई (एम) - एक सीट जीती। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने पाँच सीटें जीतीं, और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को एक सीट मिली। बिहार विधानसभा चुनाव क्रमश: 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में आयोजित किए गए थे।

राहुल गांधी के पोस्ट पर विजय शर्मा ने दी सलाह

रायपुर १५/११ (संवाददाता): बिहार चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के सोशल मीडिया पोस्ट पर छत्तीसगढ़ के उपमु यमंत्री विजय शर्मा ने उन्हें एक सलाह दी है। उन्होंने कहा कि वे विपक्ष की जि मेदारी को समझें। बिहार में विधानसभा चुनाव के परिणाम में एनडीए गठबंधन ने 202 सीटें जीतकर ऐतिहासिक जीत हासिल की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव परिणाम के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि मैं बिहार के उन करोड़ों मतदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने महागठबंधन पर अपना विश्वास जताया। बिहार का यह परिणाम वाकई चौंकाने वाला है। हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की है।

राज्यपाल डेका ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर किया नमन

रायपुर १५/११ (संवाददाता):राज्यपाल रमेन डेका ने महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया है।

राजभवन में राज्यपाल ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनकी जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेश एवं समस्त देशवासियों को विशेष रूप से सभी जनजातीय भाई-बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं

भाजपा दल नहीं छल है, एसआईआर ने जो खेल किया, वो यूपी में नहीं हो पाएगा-अखिलेश

लखनऊ १५/११ (संवाददाता): समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला और बिहार चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के रुझानों के लिए विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) को ज़ि मेदार ठहराया।

उन्होंने स्ट्रक को एक चुनावी साज़िश करार देते हुए कहा कि बिहार के बाद पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश या किसी भी अन्य राज्य में यह संभव नहीं होगा। यादव ने %ङ्क% पर लिखा कि बिहार में जो खेल स्ट्रक ने किया है वो प. बंगाल, तमिलनाडु, यूपी और बाक़ी जगह पर अब नहीं हो पायेगा क्योंकि इस चुनावी साज़िश का अब भंडाफोड़ हो

चुका है। अब आगे हम ये खेल, इनको नहीं खेलने देंगे।

बिहार विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, शुरुआती रुझान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की मजबूत और प्रभावशाली बढ़त का संकेत दे रहे हैं, जो मु यमंत्री नीतीश कुमार की सबसे निर्णायक चुनावी जीत में से एक हो सकती है। रुझान बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशव्यापी लोकप्रियता के समर्थन से, जेडी(यू)-बीजेपी की नई साझेदारी सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 243 सीटों वाली विधानसभा में व्यापक जनादेश की ओर ले जा रही है।

चुनाव आयोग के दोपहर 1ः18 बजे के आंकड़ों के अनुसार, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले एनडीए ने कुल मिलाकर 198 सीटें हासिल की हैं, जिसमें बीजेपी 90, जेडीयू 80, एलजेपी 21, हम 4 और आरएलएम 4 सीटों पर आगे है। लगभग दो दशकों से राज्य पर शासन कर रहे नीतीश कुमार के लिए, इस चुनाव को व्यापक रूप से राजनीतिक सहनशक्ति और जनता के विश्वास, दोनों की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। बिहार को अक्सर जंगल राज कहे जाने वाले साये से बाहर निकालने के लिए कभी सुशासन बाबू कहे जाने वाले मु यमंत्री को हाल के वर्षों में मतदाताओं की थकान और अपने बदलते राजनीतिक रुख पर सवालों का सामना करना पड़ा है।

इसके बावजूद, मौजूदा रुझान ज़मीनी स्तर पर एक उल्लेखनीय बदलाव दर्शाते हैं, जो दर्शाता है कि मतदाता एक बार फिर उनके शासन मॉडल में विश्वास जता रहे हैं।

बिहार में एनडीए की जीत प्रगतिशील शासन में लोगों के विश्वास को दर्शाती है-चंद्रबाबू

नयी दिल्ली १५/११ (संवाददाता): एनडीए बिहार में अपनी अब तक की सबसे निर्णायक जीत हासिल करने के लिए तैयार दिख रहा है, 243 सदस्यीय विधानसभा में न सिर्फ़ 160 पार बल्कि 200 पार की दौड़ में शामिल हो गया। इसके ठीक उलट, तेजस्वी यादव की राजद के नेतृत्व वाला महागठबंधन लगभग पूरी तरह से सफ़ाई के कगार पर था। आंध्र प्रदेश के मु यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत प्रगतिशील शासन देने की उसकी क्षमता में लोगों के विश्वास को दर्शाती है। मु यमंत्री ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत की दृष्टि को भी दर्शाती है।

नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बिहार में राजग की शानदार और ऐतिहासिक जीत प्रगतिशील शासन देने की उसकी क्षमता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत की दृष्टि में लोगों के निरंतर विश्वास को दर्शाती है।'' राजग के सहयोगी और केंद्र में इसके एक प्रमुख घटक दल तेदेपा के प्रमुख ने नीतीश कुमार तथा भाजपा और जद(यू) के सभी विजेताओं को बधाई दी।

उपमु यमंत्री पवन कल्याण ने भी राजग को बधाई देते हुए कहा कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी और मु यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली विकासोन्मुखी सरकार को बनाये रखने के लिए स्पष्ट और निर्णायक जनादेश दिया है।पिछले चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी रही राजद अपनी आधी से ज़्यादा सीटें गंवाने की राह पर है। कांग्रेस को एक बार फिर संघर्ष करना पड़ा, जिससे महागठबंधन की हमेशा से कमज़ोर रही उसकी छवि और मज़बूत हुई। इस बीच, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी, जिसे कुछ लोग एक्स-फैक्टर बता रहे थे, बेकार रही और कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाई।

सक्षम की राष्ट्रीय बैठक में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण पर मंथन, भविष्य की राह तय

नयी दिल्ली १५/११ (संवाददाता): सक्षम की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद् की बैठक के आयोजन का सौभाग्य इस वर्ष हरियाणा प्रान्त को प्राप्त हुआ। दिनांक 07 से 09 नवंबर तक यह एक त्रिदिवसीय कार्यक्रम पट्टी कल्याणा, समालखा (पानीपत) में संपन्न हुआ। प्रथम दिवस अर्थात् 07 नव बर को यह विशुद्ध रूप से केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक रही जिसमें केवल केन्द्रीय कार्यकारिणी के माननीय सदस्यों व आमंत्रित सदस्यों ने भाग लिया।

तदोपरांत दिनांक 08 नव बर से देश भर से हर प्रान्त से प्रतिनिधियों का आगमन होने लगा। उनके पंजीकरण के बाद राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक आर भ हुई। उद्घाटन सत्र में माननीय अध्यक्ष दयाल सिंह पंवार, माननीय क्षेत्र संचालक पवन जिंदल, राष्ट्रीय महासचिव उमेश अंधारे, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सतीश अग्रवाल, प्रीतिताई पोहेकर, हरियाणा के प्रांतीय अध्यक्ष नरेन्द्र बत्रा, अनुज अग्रवाल, उद्योगपति एवं पर्यावरण-प्रेमी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहसचिव राजकुमार मटाले जी मु य वक्ता के रूप में मंच पर आसीन रहे।

संगठन मंत्र के बाद सभी ने सक्षम के उद्देश्यों, किए गए कार्यों, दृष्टिकोण, परिकल्पना, भविष्य की योजनाओं व अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर अपने-अपने उद्बोधन दिए। हरियाणा के प्रभारी देवेंद्र सिंह जी ने एक सुंदर एकल गीत प्रस्तुत किया।

दूसरे सत्र में राष्ट्रीय महासचिव उमेश अंधारे जी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और प्रान्तानुसार भाग लेने वाले प्रतिनिधियों से पूछताछ, पहली बार भाग लेने वाले प्रतिनिधियों का संक्षिप्त परिचय आदि हुआ।

इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका दिव्यांग अ युदय का मंचासीन विभूतियों द्वारा विमोचन किया गया।

तृतीय सत्र में सक्षम के प्रकोष्ठों पर वक्ताओं ने विचार रखे और कार्यों की समीक्षा की। धीमहि, प्रणव, सविता, प्राणदा, दृष्टि प्रकोष्ठों पर मंचासीन

वक्ताओं ने अपने अपने-अपने वक्तव्य दिए। सक्षम पाठशाला की शिक्षा सलाहकार डॉक्टर कीर्ति मुंजाल ने दिव्यांगों को शिक्षा व स्वावलंबी बनाने में पाठशाला की भूमिका का वर्णन करते हुए ज्यादा से ज्यादा दिव्यांगजन को पाठशाला से जोड़ने का आग्रह किया।

समारोह के दूसरे दिन अर्थात् 09 नव बर को कृष्ण बेदी जी, आदरणीय मंत्री, सामाजिक न्याय और आधिकारिकता विभाग, हरियाणा सरकार समारोह में पधारे। उन्होंने अपने उद्बोधन में हरियाणा सरकार से हर प्रकार का सहयोग दिलवाने का आश्वासन दिया तथा दिव्यागों के कल्याण बारे अपनी ओर से हर स भव सहायता की बात कही।

अगले सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाल सिंह पंवार जी, राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री चंद्रशेखर जी, राष्ट्रीय महासचिव उमेश अंधारे जी और कमलाकांत जी आदि उपस्थित रहे। इस सत्र में संगठन मंत्र के महत्व को बताते हुए चंद्रशेखर जी ने इस मंत्र को न केवल कंठस्थ करने अपितु इसमें निहित भावनाओं व उद्देश्यों को आत्मसात करने पर बल दिया। कार्यकर्ता की भूमिका क्या होनी चाहिए, पर्यावरण, समरसता, कुटु ब प्रबोधन, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य, विमर्श और सुपोषण आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। दिव्यांग सेवा केन्द्रों की स्थापना, उनकी संरचना, इन केन्द्रों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के अतिरिक्त सभी प्रान्तों को अपनी-अपनी कार्यकारिणी अतिशीघ्र पूर्ण करने की बात कही गई। कार्यकारिणी में दिव्यागों को 40त्न सहभागिता पर भी बल दिया गया। ऐसे अनेक अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

अगले सत्र में सभी उच्च दायित्वधारियों द्वारा कोषाध्यक्षों, सचिवों, सह सचिवों, महिला प्रमुखों आदि द्वारा प्रस्तुत कठिनाइयों पर चर्चा की गई तथा अन्य समस्याओं व प्रश्नों के उत्तर और समाधान सुझाए गए। अन्तिम सत्र में कुछ नए दायित्वों, दायित्वों में परिवर्तन और बढ़ोत्तरी बारे अध्यक्ष जी ने सूचना दी। अन्त में समारोह में अपनी निष्काम सेवाएं देने वाले स्थानीय छात्र-छात्राओं और अन्य सेवाएं देने वालों को मंच पर बुला कर स मानित किया गया। तदोपरांत हरियाणा प्रान्त के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र बत्रा जी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और समारोह का समापन इसी के साथ स पन्न हो गया।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

किस दिशा में मुख करके करें गायत्री मंत्र का जाप?

गायत्री मंत्र एक महत्वपूर्ण मंत्र है। इसे वेदों का नेत्र भी कहा जाता है। यह मंत्र सृष्टि के रचयिता, सविता देवता की स्तुति करता है। गायत्री मंत्र का उच्चारण करने से व्यक्ति में ज्ञान, बुद्धि और तेज बढ़ता है। यह मंत्र मन को शांत करता है और आत्मिक उन्नति में सहायक होता है।

गायत्री मंत्र का शाब्दिक अर्थ है गायत्री छंद में रचा गया मंत्र। इस मंत्र का अर्थ बहुत गहरा और रहस्यमय है। इसे पूरी तरह से समझने के लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता होती है। सनातन धर्म में इस मंत्र को सर्वोपरि माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है। साथ ही अक्षय फल की भी प्राप्ति होती है। गायत्री मंत्र सौभाग्यशाली मंत्र माना जाता है। इस मंत्र का उच्चारण मात्र ही जातक को सभी परेशानियों सा छुटकारा मिल जाता है। साथ ही जीवन में चल रही परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में अगर आप गायत्री मंत्र का जाप कर रहे हैं, तो किस दिशा में मुख करके पढ़ने से लाभ हो सकता है।

किस दिशा में मुख करके करें गायत्री मंत्र का जाप?

गायत्री मंत्र का जाप पूर्व दिशा की ओर मुख करके करना चाहिए। पूर्व दिशा को सूर्योदय की दिशा माना जाता है और सूर्य को देवताओं का देवता माना जाता है। इसलिए, पूर्व दिशा में मुख करके जाप करने से सूर्यदेव की कृपा प्राप्त होती है। उत्तर दिशा को भी गायत्री मंत्र जाप के लिए शुभ मानते हैं। उत्तर दिशा को ज्ञान और शांति की दिशा माना जाता है। इसके अलावा पश्चिम या दक्षिण दिशा में भी मुख करके गायत्री मंत्र का जाप करना उत्तम फलदायी माना जाता है।

गलत दिशा में बैठकर न करें गायत्री मंत्र का जाप

शास्त्रों के अनुसार गायत्री मंत्र का जाप करते समय आपको दिशा का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। यदि आप सुबह इस मंत्र का जाप कर रहे हैं तो इसे पूर्व दिशा की तरफ मुंह करके पढ़ें। ऐसा इसलिए अच्छा माना जाता है क्योंकि सूर्य इसी दिशा से निकलता है और इस दिशा की तरफ बैठकर जाप करने से गायत्री मंत्र के साथ सूर्य की पूर्ण ऊर्जा भी घर में प्रवेश करती है।

क्या आपको पता है राम नाम का अर्थ?

दो अक्षर के पीछे का रहस्य

राम नाम है तो भले ही दो अक्षर का, लेकिन इसका अर्थ बहुत गहरा है। राम सिर्फ एक नाम नहीं है बल्कि इस दो अक्षर वाले नाम के पीछे आलौकिक रहस्य छिपा हुआ है। ऐसे में आइये जानते हैं राम नाम का अर्थ क्या है।

भगवान श्री राम का यह नाम तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आपको पता हा कि इस नाम का अर्थ है। राम नाम है तो भले ही दो अक्षर का, लेकिन इसका अर्थ बहुत गहरा है। राम सिर्फ एक नाम नहीं है बल्कि इस दो अक्षर वाले नाम के पीछे आलौकिक रहस्य छिपा हुआ है। ऐसे में आइये जानते हैं राम नाम का अर्थ क्या है।

श्री राम नाम का क्या मतलब होता है?

राम शब्द भारतीय संस्कृति और धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र नाम है। यह न केवल भगवान विष्णु के सातवें अवतार, मर्यादा पुरुषोत्तम राम का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि इसका गहरा आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ भी है। सरल शब्दों में कहें तो राम नाम एक ऐसा बीज मंत्र है जिसमें ब्रह्मांड की सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति समाहित है। व्याकरण की दृष्टि से देखें तो राम शब्द दो अक्षरों से मिलकर बना है – रा और म। प्रत्येक अक्षर का अपना विशेष महत्व है। रा अक्षर अग्नि तत्व का प्रतीक है और यह हमारी नकारात्मक ऊर्जा, पापों और अज्ञान को जलाने की शक्ति रखता है। यह प्रकाश, ज्ञान और चेतना का भी प्रतिनिधित्व करता है। सरी ओर, म अक्षर जल तत्व का प्रतीक है और यह शीतलता, शांति और अमृतत्व का प्रतिनिधित्व करता है। यह स्थिरता, पोषण और रचनात्मकता का भी प्रतीक है।

इस प्रकार, राम नाम इन दो शक्तिशाली तत्वों का एक संयोजन है, जो विनाश और सृजन, गर्मी और शीतलता, ज्ञान और शांति के बीच संतुलन स्थापित करता है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, राम नाम को ब्रह्मांड की आत्मा माना जाता है। यह वह ध्वनि है जो हर जीव और निर्जीव में व्याप्त है। कुछ आध्यात्मिक परंपराओं में राम नाम को अनाहत नाद या दिव्य ध्वनि के रूप में भी देखा जाता है, जो सृष्टि की शुरुआत से ही गूंज रही है। इस नाम का जाप करने से व्यक्ति अपने अंतरतम सत्य और ब्रह्मांडीय चेतना से जुड़ सकता है।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के संदर्भ में, राम नाम उनके गुणों और आदर्शों का प्रतीक बन गया है। वे सत्य, धर्म, न्याय, करुणा और त्याग के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी मर्यादा और नैतिक मूल्यों का पालन कैसे किया जाए। इसलिए, राम नाम का स्मरण न केवल भगवान के प्रति भक्ति व्यक्त करता है, बल्कि उनके गुणों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा भी देता है।

संक्षेप में, राम नाम मात्र एक शब्द नहीं है, बल्कि यह एक शक्तिशाली मंत्र है जिसमें आध्यात्मिक गहराई, दार्शनिक अर्थ और नैतिक प्रेरणा समाहित है। यह नकारात्मकता को दूर करने, सकारात्मकता को आकर्षित करने, मानसिक शांति प्राप्त करने और आध्यात्मिक विकास की ओर बढ़ने में सहायक है। यह भगवान राम के दिव्य स्वरूप और उनके उदात गुणों का स्मरण कराता है और हमें एक धार्मिक और नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

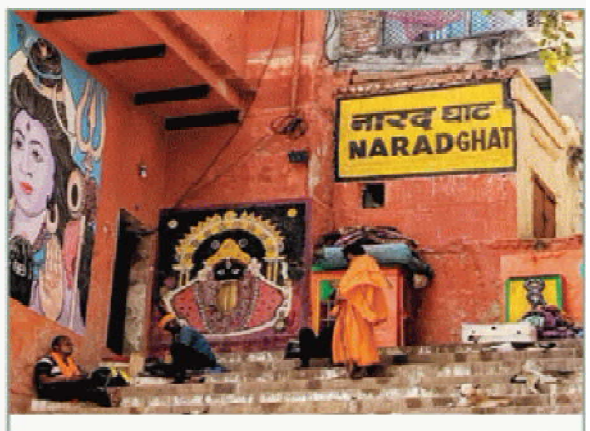

ऐसा घाट जहां स्नान करने से परिवार के लोगों में हो जाता है आपसी झगड़ा, जानें इसका रहस्य

हिन्दू धर्म शास्त्रों में ऐसा बताया गया है कि किसी भी पवित्र नदी के घाट पर स्नान करने से जीवन के दुखों का नाश होता है और सुखों की प्राप्ति होती है। विशेष तौर पर गंगा स्नान करने से पाप मिट जाते हैं और पुण्यों में वृद्धि होती है, लेकिन ज्योतिषाचार्य ने हमें एक ऐसे घाट के बारे में बताया जहां अगर एक परिवार के लोग साथ में स्नान कर लें तो पारिवारिक क्लेश जन्म ले लेता है और रिश्तों में दरार आ जाती है। आइये जानते हैं कौन सा है ये घाट और क्या है इससे जुड़ी इस मान्यता के पीछे का सत्य।

किस घाट पर स्नान करने से परिवार में क्लेश पैदा होता है?

शास्त्रों में गंगा घाट का बहुत महत्व माना गया है। बनारस में गंगा किनारे 84 घाट मौजूद हैं। हर घाट का अपना महत्व और रहस्य है। इन्हीं में से एक है नारद घाट। नारद घाट को लेकर ऐसा कहा जाता है कि यहां स्नान करने से पारिवारिक रिश्ते टूट जाते हैं। यानी कि पति-पत्नी, सास-बहु, नंद-भाभी, भाई-बहन आदि साथ में स्नान करें तो रिश्तों में दरार आ जाती है। नारद घाट को लेकर प्रचलित धारणा कहती है कि चूंकि नारद जी का स्वभाव इधर की बात उधर करने का था जिससे दैत्यों और देवताओं में युद्ध छिड़ जाता था, इसी कारण इस घाट पर स्नान करने से वही प्रभाव लोगों के जीवन में भी नजर आता है। हालांकि, नारद घाट सिर्फ एक घाट नहीं है बल्कि यहां प्राचीन शिवलिंग स्थापित है जिसे स्वयं नारद जी ने विराजित किया था।

नारद घाट पर मौजूद शिवलिंग को नारदेश्वर शिव के नाम से जाना जाता है। दरअसल, शास्त्रों में बताया गया है कि नारद जी ब्रह्मचारी थे। इसी स्थान पर उन्होंने पहली बार भगवान विष्णु के बजाय भगवान शिव की तपस्या की थी और शिवलिंग की स्थापना की थी। तब भगवान शिव ने उन्हें यह आशीर्वाद दिया था कि नारद घट पर स्नान करने वाले को आध्यात्मिक बल प्राप्त होगा। तभी से यह परंपरा शुरू हुई कि बनारस में मौजूद नारद घाट साधु-संतों के लिए उत्तम स्थान है गंगा स्नान और तप हेतु एवं चूंकि यहां संत स्नान के लिए आएंगे ऐसे में गृहस्थियों का इस घाट पर स्नान करना उचित नहीं है। हालांकि बाद में इस तथ्य को एक लोक धारणा बना दिया गया और उसे पारिवारिक क्लेश के साथ जोड़ दिया गया जो कि पूर्णतः गलत है और शास्त्र विरुद्ध है।

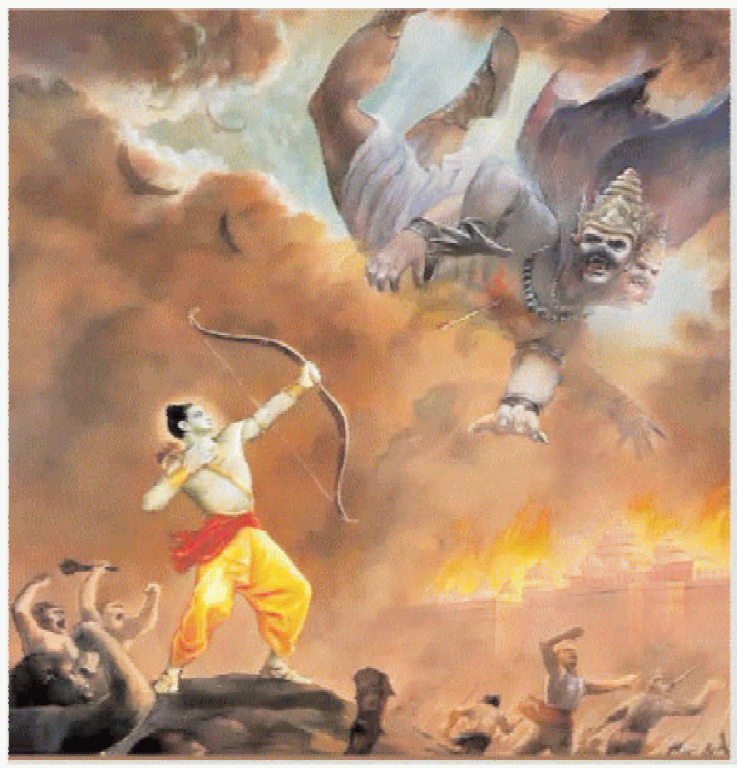

श्री राम ने रावण को 32 बाण ही क्यों मारे थे

रामायण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि मृत्यु बाण के प्रयोग से पहले श्री राम ने रावण को 32 बाण मारे थे। आखिर क्या है इन 32 बाणों का रहस्य और क्यों श्री राम ने न कम न ज्यादा, ठीक 32 बाणों से ही रावण पर प्रहार किया। रामायण से जुड़े ऐसे कई रहस्य हैं जो बेहद रोचक और गुप्त हैं। इन्हीं में से एक है 32 बाणों का रहस्य। यमराज ने रावण के नाम का एक बाण बनाया जिसे आघात से रावण की मृत्यु होनी तय थी। इसलिए उस बाण का नाम मृत्यु बाण पड़ा। हालांकि रावण ने इसे चुरा लिया था ताकि वह अपनी मृत्यु को टाल सके, लेकिन हनुमान जी ने इस बाण को रावण की लंका से लेजाकर श्री राम को सौंप दिया था। इसके बाद युद्ध के दौरान श्री राम ने रावण पर इसी मृत्यु बाण का प्रयोग कर उसका वध किया था। मगर, रामायण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि मृत्यु बाण के प्रयोग से पहले श्री राम ने रावण को 32 बाण मारे थे। आखिर क्या है इन 32 बाणों का रहस्य और क्यों श्री राम ने न कम न ज्यादा, ठीक 32 बाणों से ही रावण पर प्रहार किया।

श्री राम ने रावण को क्यों मारे थे 32 बाण?

लंकापति रावण सभी वेदों, पुराणों, ग्रंथों, महाकाव्यों आदि का ज्ञाता था। रावण को हर प्रकार की पूजा पद्धति के बारे में गहराई तक जानकारी थी। सामान्य पूजा-पाठ से लेकर यज्ञ-अनुष्ठान तक रावण को सभी विधियों के बारे में ज्ञात था। इसी कारण से रावण को परम ज्ञानी कहा जाता है। रावण जितना ज्ञानी था उतना ही बड़ा भक्त भी। रावण ने भगवान शिव के लिए शिव स्तुति स्तोत्र की रचना की थी। रावण भगवान शिव शंकर महादेव का अनन्य भक्त था, लेकीन अपनी परम भक्ति और असीमित ज्ञान के कारण लंकेश रावण में अहंकार भी भयंकर रूप से विद्यमान था। रामायण में उल्लेख मिलता है कि भक्ति और ज्ञान के कारण रावण के भीतर 32 गुण संचालित थे लेकिन मात्र 4 अवगुणों के प्रभाव के कारण रावण ने न सिर्फ जीवन भर अधर्म किया बल्कि स्त्री का मान भंग करने जैसा जघन्य अपराध भी किया था। रावण के अवगुण उसके गुण पर हावी थे। इन्हीं गुणों को उसकी मृत्यु से पहले नष्ट करने के लिए श्री राम ने 32 बाण चलाये थे। शास्त्रों में यह बताया गया है कि किसी भी पापी की मृत्यु का जब समय आता है तो उसके गुणों का नाश होने लग जाता है। श्री राम ने रावण के इन्हीं 32 गुणों का नाश कर उसे अंत में मृत्यु प्राप्त कराई थी।

पूजा घर में पानी रखना क्यों है जरूरी

पूजा कक्ष में पानी क्यों रखते हैं? सभी घरों में पूजाघर होता है, जहां पर पूजन सामग्री के अलावा शंख, गरुढ़ घंटी, कौड़ी, चंदन बट्टी, तांबे का सिक्का, आचमन पात्री, गंगाजल और पानी का लोटा भी रखा जाता है। लोटा नहीं तो जल कलश रखते हैं। आखिर पूजा घर में यह पानी क्यों रखा जाता है। क्या है इसका कारण?

पवित्रता

प्रतिदिन पूजा के पूर्व हम जल से भगवान के विग्रह को स्नान कराने के बाद स्थान पर जल छिड़ककर उसे पवित्र करते हैं। इसीलिए जल की आवश्यकता हेतु एक लोटे में पानी रखा जाता है।

वरुण देव

जिस तरह गुरुड़देव की स्थापना गरुड़ घंटी के रूप में कि जाती है उसी प्रकार वरुण देव की स्थापना जल के रूप में की जाती है। ऐसा करने का कारण यह है कि जल की पूजा वरुण देव के रूप में होती है और वही दुनिया की रक्षा करते हैं।

तुलसी जल

पूजा घर में रखे जल में तुलसी के कुछ पते डाल कर रखे जाते हैं जिसके चलते वह जल शुद्ध एवं पवित्र होने के साथ ही आचमन योग बन जाता है और इसी से जब हम पूजा स्थल को शुद्ध करते है तो देवी एवं देवता प्रसन्न होते हैं।

नैवद्य

नैवेद्य हम प्रतिदिन पूजा के बाद भगवान को प्रसाद अर्पण करते हैं जिसे नैवद्य कहते हैं। नैवद्य में मिठास या मधुरता होती है। आपके जीवन में मिठास और मधुरता होना जरूरी है। देवी और देवता को नैवद्य लगाते रहने से आपके जीवन में मधुरता, सौम्यता और सरलता बनी रहेगी। फल, मिठाई, मेवे और पंचामृत के साथ नैवेद्य चढ़ाया जाता है। नैवेद्य अर्पित करने के बाद भगवान को जल अर्पण करने के लिए ही पूजा घर में पानी रखा जाता है।

जल की स्थापना

पूजा घर या उत्तर एवं ईशान कोण में जल की स्थापना करने से घर में सुख एवं समृद्धि बनी रहती है। इसलिए पूजा घर में जल की स्थापना की जाती है। पूजा के स्थान पर तांबे के बर्तन में जल रखते हैं तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार जल रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

आरती

जब हम आरती करते है उसके बाद आरती की थाली घर थोड़ा सा जल लगाकर आरती को ठंडा किया जाता है। इसके बाद चारों दिशाओं में और सभी व्यक्तियों पर जल का छिड़काव किया जाता है। इसके बाद सभी को चरणामृत प्रदान करके प्रसाद देते हैं। इसलिए भी जल को पूजाघर में रखा जाता है।

कलिंग समाचार

संपादकीय

रविवार 16 नवंबर 2025

देश को भीतर से दरकाते देशभक्त

देश की वर्तमान परिस्थितियों का सीधा लाभ पाकिस्तान, उसके संरक्षण में फल-फूल रहे आतंकवादी और इधर भारतीय जनता पार्टी को मिल रहा है। बगैर यह समझे कि उनकी हरकतें पाकिस्तान व दहशतगर्दों को खुश कर रही हैं, खुद को %देशभक्त% कहने वाले भाजपा समर्थक दुनिया भर में भारत की साख को मिट्टी में मिला रहे हैं। सच कहा जाये तो ये लोग, जिसे कभी खुद पार्टी नेतृत्व ने स्प्लिंटर ग्रुप कहा था, अपना ही देश तोड़ रहे हैं। देश की सबसे बड़ी ताकत नागरिक एकता होती है, इसे ध्वस्त करने का काम हो रहा है। भाजपा हाईकमान तथा उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को चाहिये कि वे अपने कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों को इस बात की समझाइश दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के गुनहगारों से लड़ने की ज़रूरत है, न कि देश के भीतर रहने वाले मुसलमानों से। उनकी हरकतें अंतरराष्ट्रीय समुदाय के आगे भारत को एक विभाजित समाज के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। 22 अप्रैल को ज मू-कश्मीर के पहलगाम की प्रसिद्ध बैसरन घाटी में आतंकियों ने 27 लोगों को मार डाला था। इनमें एकाध को छोड़कर सारे ही पर्यटक थे। इस घटना ने देश भर में पहले से चल रही मुस्लिम विरोधी मानसिकता को और भी सघन कर दिया है। इस बात को बहुत बढ़-चढ़कर बताया जा रहा है कि आतंकियों ने सैलानियों से उनका धर्म पूछकर गोली मारी। हालांकि इस बात की बहुत पुष्टि नहीं हो पायी है, फिर भी इसे भाजपा-संघ के समर्थकों तथा आईटी सेल ने लपक लिया है तथा उसे सच साबित कर रही है। घटना के कुछ ही क्षणों के भीतर छत्तीसगढ़ भाजपा से एक एआई जनरेटेड चित्र सोशल मीडिया पर जारी हुआ, जिसमें एक शोकाकुल नवविवाहित युवती अपने पति के शव के साथ दिख रही है। उस पर स्लोगन दिया गया है- %धर्म पूछा जाति नहीं%। जाहिर है कि यह तस्वीर जारी करने का मकसद घटना का लाभ उठाते हुए ध्रुवीकरण की प्रक्रिया को तेज करना ही था। सोशल मीडिया पर हिन्दू-मुस्लिम की लड़ाई घटना के बाद से ही तेज हो गयी है। धर्म पूछकर गोलियां मारने का हाइप इतना बना दिया गया कि एक वर्ग इस बात से कतई प्रभावित नहीं हो रहा है कि अपनी जान का खतरा मोल लेकर गाइडों, घोड़े वालों आदि ने बड़ी सं या में पर्यटकों को बचाया। वहां से लौटे पर्यटकों की आप-बीती वाले वीडियो कई जगहों से आ रहे हैं जिनमें वे कह रहे हैं कि स्थानीय कश्मीरियों ने उनकी न केवल जान बचाई वरन उन्हें अपने घरों में पनाह दी। उनसे खाने-पीने, रहने का पैसा नहीं लिया, उन्हें बस अड्डों तथा एयरपोर्ट मु त में छोड़ा गया। नज़ाकत अली का किस्सा खूब मशहूर हो रहा है, जिसने छत्तीसगढ़ के चिरमिरी के 11 लोगों को बचाया। इनमें भाजपा से जुड़े जनप्रतिनिधि तक हैं। एक घोड़े वाला सैयद आदिल हुसैन आतंकियों से राइफल छीनने की कोशिश में मारा गया। ये सारी बातें मुस्लिमों ने घृणा करने वाले कुनबे को कतई प्रभावित नहीं कर रही हैं। जो भी सा प्रदायिक सौहार्द्र की बात कह रहा है, वही आलोचना का पात्र बन रहा है। ऐसे लोगों को देशद्रोही, राष्ट्रविरोधी, पाकिस्तानपरस्त, हिन्दूविरोधी आदि न जाने क्या-क्या कहा जा रहा है। ऐसा नहीं कि यह कोई पहली बार हो रहा है। देश में होने वाली प्रत्येक घटना पर ऐसा ही वैचारिक विभाजन और कटु मतभेद दिखाई पड़ता है। फर्क यह है कि इस बार उसका उफ़ान ज्यादा है, कुछ-कुछ 2019 में हुए पुलवामा कांड के वक्त जैसा। सरकार से पहलगाम की घटना पर सवाल करने वाले फिर से वैसे ही निशाने पर लिए जा रहे हैं, जैसे तीन तलाक, ज मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने, राम मंदिर का फैसला, वक्फ़ कानून में संशोधन आदि के समय देखा गया था। वैसे तो लगभग हर महत्वपूर्ण मुद्दे पर सरकार समर्थकों एवं विरोधियों के बीच ठनती रहती है, लेकिन जो मसले सा प्रदायिक हों, खासकर जिनमें हिन्दू व मुस्लिम दो पक्ष हों, वहां यह संघर्ष कुछ बड़ा ही स्वरूप धारण कर लेता है। अगर यह युद्ध केवल सोशल मीडिया पर ही जारी रहता तो कोई बात नहीं रहती, लेकिन यह सड़कों पर उतर आया है। आगरा में गौरक्षा दल वालों ने गुलफाम नामक व्यक्ति की हत्या कर दी और उसके एक साथी सैफ पर फायर किया।

खुफिया सूचना पूरी तरह पुख़्ता क्यों नहीं हो पाती है

वाप्पला बालाचंद्रन

कच्ची और अपुष्ट सूचनाओं का संग्रहण, मिलान, विश्लेषण, प्रसार, मध्यस्थता, नीति अधिनिर्णय और निर्णय लेने की प्रक्रिया के बाद ही कार्रवाई के लिए नीति बनायी जाती है। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का गैप रहना पूरी सूचना उपलब्ध न हो पाने की स्थिति पैदा करेगा जिसमें सरकार के किसी भी विंग के पास पहले से ही किसी न किसी रूप में उपलब्ध तकनीकी बिंदुओं सहित खुफिया जानकारी नीति या कार्रवाई में बदलाव संभव नहीं होता है।

बैसारन (पहलगाम, कश्मीर) में नरसंहार के सिलसिले में कुछ रिपोर्टों ने दावा किया कि यह एक खुफिया या सुरक्षा विफलता थी। अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि अमरनाथ मंदिर से 50 किलोमीटर दूर पर्यटकों के लोकप्रिय पिकनिक स्थल बैसारन घास के मैदानों को एकीकृत कमान के तहत काम करने राज्य के किसी भी सुरक्षा समूह द्वारा असुरक्षित क्यों छोड़ दिया गया था?

एक अपुष्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि पिकनिक स्थल को आधिकारिक तौर पर खोला नहीं गया था और इसलिए सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तार से तैयारी नहीं की गई थी।

यह प्रयास इस चूक के लिए किसी को दोषी ठहराना नहीं बल्कि यह समझाना है कि सामान्य रूप से सरकारों द्वारा %सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरों% को कैसे प्रोसेस किया जाता है और इनमें %फासला% कैसे रखा जाता है। चूंकि ज मू-कश्मीर एक संवेदनशील क्षेत्र है इसलिए राज्य पुलिस खुफिया विभाग के अलावा यहां देश भर के असैनिक नागरिक, सैन्य और अर्द्ध सैनिक विभागों से संबंधित खुफिया एजेंसियों की बड़ी सं या में मौजूदगी है। यद्यपि राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियां अपने मु यालय को रिपोर्ट करती हैं, इसके अलावा वे उप राज्यपाल और उनके अधीन %एकीकृत कमान% को सुरक्षा परिदृश्य में किसी भी बदलाव से अवगत कराते हैं ताकि स्थानीय खतरे की अवधारणा के आधार पर निवारक तंत्र में उपयुक्त रूप से बदलाव किया जा सके।

हालांकि इस तरह की खुफिया जानकारी जब उप राज्यपाल (ज मू-कश्मीर में कानून और व्यवस्था अभी भी उनके अधीन है) जैसे उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट की जाती है तो उसे सावधानीपूर्वक सत्यापित किया जाना चाहिए क्योंकि इस तरह के अलर्ट के बाद की कार्रवाई के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव होते हैं।

कच्ची और अपुष्ट सूचनाओं का संग्रहण, मिलान, विश्लेषण, प्रसार, मध्यस्थता, नीति अधिनिर्णय और निर्णय लेने की प्रक्रिया के बाद ही कार्रवाई के लिए नीति बनायी जाती है। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का गैप रहना पूरी सूचना उपलब्ध न हो पाने की स्थिति पैदा करेगा जिसमें सरकार के किसी भी विंग के पास पहले से ही किसी न किसी रूप में उपलब्ध तकनीकी बिंदुओं सहित खुफिया जानकारी नीति या कार्रवाई में बदलाव संभव नहीं होता है। इसकी वजह से %खुफिया या सुरक्षा विफलता% का अभाव महसूस होता है।

खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों को अक्सर बेतरतीब तरीके से, टुकड़ों-टुकड़ों में आधी-अधूरी जानकारी मिलती है जो पूरी तस्वीर का खुलासा नहीं करती हैं, खासकर जब रुझान अल्पकालिक होते हैं। कई मौकों पर एजेंसियों के पास सुरक्षा संबंधी विषयों पर विविध, अपूर्ण या यहां तक कि परस्पर विरोधी खुफिया जानकारी होती है जिसके कारण नीति संबंधी निर्णय लेने वालों को एक परिपूर्ण तस्वीर प्राप्त करने के लिए सूचना के %आंतरिक मतभेदों% को सुलझाने के लिए एक सक्षम मध्यस्थ की आवश्यकता होती है। यह इंटेलिजेंस आर्बिट्रेशन की प्रक्रिया है।

यदि यह विफल रहता है तो सूचनाओं में अनेक रिक्त स्थान रह जाते हैं। ऐसा कई बार हुआ है। एक खुफिया मध्यस्थ भी खुफिया में लापता रिक्त स्थानों को भरने के लिए अपने स्वयं के दृष्टिकोण का उपयोग करता है। इसके लिए वह मीडिया जानकारी तक का उपयोग करता है जिसे %ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस% (ओएसआई) कहा जाता है।

कानून और व्यवस्था अधिकारियों तथा राष्ट्रीय सूचना एजेंसियों द्वारा तैयार की गई सूचना के प्रसंस्करण में बहुत अंतर है। जहां राष्ट्रीय एजेंसियां रणनीतिक खुफिया जानकारी देती हैं वहीं राज्य इकाइयां सामरिक जानकारी का मंथन करती हैं। रणनीतिक जानकारी आम तौर पर पूरे देश को प्रभावित करने वाला दीर्घकालिक संकेत या लंबे समय सीमा का होता है जबकि सामरिक सूचना अल्पकालिक रुझान है जो पुलिस कार्रवाई जैसे छोटे क्षेत्रों को प्रभावित करता है।

हालांकि, विशेष रूप से विदेशी हस्तक्षेप के साथ आतंकवाद विरोधी कार्रवाई रणनीतिक और सामरिक आयाम ग्रहण कर सकती है जिसके लिए यह अध्ययन करने और अनुमान लगाने की क्षमता की आवश्यकता होती है कि विदेशी सरकारों या विदेश आधारित संगठन जैसे लश्कर हमारे खिलाफ कैसे काम करेंगे जिसे संभालने में केवल राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां ही सक्षम हैं।

फिर भी, ऐसे मामले हैं जब यह प्रक्रिया पश्चिमी देशों में भी विफल रही थी। यूएस 9/11 आयोग ने अपनी रिपोर्ट %फोरसाइट एंड हाइन्ड्साइट% (पूर्वानुमान और घटना के बाद उसकी कारण मीमांसा करना) के अध्याय 11 में इन रुझानों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में ओसामा बिन लादेन की बड़े पैमाने पर अमेरिका विरोधी गतिविधियां जारी रहने के बावजूद किसी भी एजेंसी ने 9/11 जैसे परिदृश्य का अंदाजा नहीं लगाया था।

इस हमले में अमेरिकी यात्री विमानों को अमेरिका के खिलाफ हथियार बनाया गया था- %सीआईए ने संभावित अपहरण परिदृश्यों का कोई विश्लेषणात्मक आकलन नहीं लिखा था% जबकि उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने सामूहिक विनाश के हथियार ले जाने में विदेशी विमान के उपयोग का अनुमान लगाया था। किसी ने नहीं सोचा था कि अल-कायदा अमेरिकी विमानों का इस्तेमाल करेगा। आयोग ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका में खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी सं या के कारण भ्रम की स्थिति पैदा हो गयी एवं जि मेदारी कम हो गई थी।

ऐसी चेतावनी जारी करने की जि मेदारी के लिए सीआईए में खाड़ी युद्ध के बाद 1992 में बनाए गए नेशनल इंटेलिजेंस ऑफिसर फॉर वार्निंग का पद खत्म कर दिया गया और काउंटर-टेररिज़्म सेंटर (सीटीसी) को यह जि मेदारी दी गई। हालांकि सीटीसी ने यात्री विमानों में हथियार रखने की संभावना पर एक भी चेतावनी जारी नहीं की। दूसरे शब्दों में, एक शीर्ष-भारी भरकम खुफिया संरचना होने के कारण बेहतर अलर्ट जारी नहीं हुए।

इसी तरह मुंबई में 26/11 हमले पर पुलिस प्रतिक्रिया की जांच करने के लिए गठित समिति के सदस्य के रूप में महाराष्ट्र सरकार की विफलता पर ध्यान दिया जो उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर कुछ घटनाओं को देखने में विफल रही जिनका यदि अध्ययन किया जाता तो भयावह मुंबई हमले को रोका जा सकता था।

30 जुलाई, 2006 को सीएनएन-आईबीएन टीवी चैनल ने तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की चेतावनी के मद्देनजर हमारे पश्चिमी तटीय सुरक्षा उपायों का एक सर्वेक्षण प्रसारित किया कि हमारे परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठानों को पाकिस्तानी आतंकवादी समुद्र से निशाना बना सकते हैं। इसके बाद यह उ मीद की गई कि महाराष्ट्र पुलिस तटीय गश्त को सतर्क व सशक्त करेगी। चैनल की टीम ने पाया कि तटीय गश्त कहीं नहीं देखी गई थी- यद्यपि बीएआरसी अब सीआईएसएफ की भारी सुरक्षा में है लेकिन यहां समुद्र के माध्यम से पहुंचे जाने की आशंका चिंता का कारण है%।

इसी चैनल ने 16 जून 2007 को एक और खबर प्रसारित की जिसे लेकर मुंबई और नई दिल्ली को चिंतित होना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लश्कर-ए-तैयबा के आठ संदिग्ध आतंकवादियों ने मुंबई के पास समुद्री मार्ग से घुसपैठ की थी और उनमें से दो- अब्दुल मजीद और मोह मद जमील को ज मू-कश्मीर पुलिस ने मार्च में राजौरी में गिर तार किया था। समुद्री रास्ते से आतंकवादियों के घुसने की यह पहली ज्ञात घटना है। टीवी चैनल ने फिर से खबर दी थी जिससे संकेत मिलता है कि आठ आतंकवादियों ने 23 फरवरी को पाकिस्तान छोड़ दिया था व कथित लश्कर ऑपरेटिव आसिफ तथा अब्बास द्वारा संचालित एक भारतीय नाव में बैठ गए। भारतीय तट पर समीर नाम के एक अन्य ऑपरेटिव ने उनका स्वागत किया।

चैनल ने ज मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक गोपाल शर्मा का भी साक्षात्कार लिया जिन्होंने कहा था- लश्कर के दो लोगों को राजौरी में गिर तार किया गया था एवं उन्होंने सूचित किया है कि आठ लोग आए थे और हां, इस मामले में समुद्री मार्ग का इस्तेमाल किया गया था।

अठारह महीने से भी कम समय के बाद 26/11 की घटना में दस आतंकवादियों ने मुंबई में तबाही मचाने के लिए नकली भारतीय (हिंदू) पहचान दस्तावेजों के साथ उसी मोडस ऑपरेंडी का इस्तेमाल किया। 2007 की रिपोर्ट में कहा गया था- %जमील के पास शुरू में मुंबई के चेंबूर का एक छात्र आईडी था जिसमें उसका नाम धीरज था। यहां तक कि इन लोगों के पास दिल्ली और चंडीगढ़ के फर्जी दस्तावेज थे और ज मू में उनके पास मतदाता पहचान पत्र भी थे%। इससे पता चलता है कि सूचनाओं के विश्लेषण, उनके निहित अर्थ को समझना और मामले की गंभीरता को नजरअंदाज करना तथा यह भरोसा करना कि आतंकवादी एक ही तरह की कार्यपद्धति (मोडस ऑपरेंडी) अपनाएंगे इस तरह की सोच के परिणाम कितने भयंकर हो सकते हैं यह हम देख चुके हैं। %सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरों% के संबंध में मिली खुफिया सूचना पूरी तरह पु ता करना चाहिए। सतर्कता बरतने के लिए सरकारी एजेंसियों को आतंकवादियों की कार्यप्रणाली से चार कदम आगे ही रहना चाहिए।

स्वतंत्र भारत की पहली जाति गणना जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करेगी

डॉ. ज्ञान पाठक

जनगणना के बाद, हमें यह जानकारी होगी कि लगभग 100 वर्षों के अंतराल के बाद, देश में जाति व्यवस्था वर्तमान में कैसे काम कर रही है। 1951 की जनगणना के दौरान, भारत सरकार ने केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की जनगणना की अनुमति दी थी। इससे स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आयी, और इसलिए 1961 तक, केंद्र सरकार ने ओबीसी की जनगणना के लिए राज्यों को अनुमति दे दी। पिछली बार 1931 की जनगणना में जाति की गणना के लगभग एक सदी के अंतराल के बाद भारत में जाति जनगणना कराने की घोषणा करके,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने न केवल स्वतंत्र भारत के जाति जनगणना न कराने के ऐतिहासिक निर्णय, जो मु यत- इस डर से की गयी थी कि इस तरह की कवायद जाति व्यवस्था को मजबूत कर सकती है, को समाप्त कर दिया है, बल्कि जाति जनगणना कराने के खिलाफ भाजपा की ऐतिहासिक स्थिति को भी पलट दिया है। यह निर्णय भारत की नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है जिसका जीवन के सभी क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ना तय है - विशेष रूप से राजनीति, अर्थशास्त्र और सामाजिक आचरण पर।

भारत की जाति व्यवस्था में पिछली सदी में बहुत बड़ा बदलाव आया है। भारत में ब्रिटिश राज के दौरान जो हुआ, वह 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद की स्थिति से बहुत अलग था। भारत के संविधान ने पहली बार समाज में व्याप्त जातिगत पूर्वाग्रह के शिकार लोगों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की, और अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को उनके सामाजिक और आर्थिक स्तर को ऊपर उठाने के लिए आरक्षण दिया। ब्रिटिश राज के दौरान की गयी जाति जनगणना जाति व्यवस्था को मजबूत करने वाली पायी गयी थी और इसलिए डॉ. बी.आर. अंबेडकर सहित भारत के महत्वपूर्ण राजनीतिक विचारकों ने इस प्रथा की कड़ी आलोचना की। इसके अलावा, जातियों का रिकॉर्ड दोषपूर्ण पाया गया। 1901 की जनगणना में 1646 अलग-अलग जातियों को दर्ज किया गया था, जो 1931 में बढ़कर 4147 हो गया। इसका समाज पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा और इसलिए स्वतंत्रता संग्राम के हमारे नेताओं के दबाव में, ब्रिटिश सरकार ने 1941 की जनगणना में इस जाति जनगणना की प्रथा को छोड़ दिया।

इससे हमें संकेत मिलता है कि इस बार की जाति जनगणना में भी कई समस्याएं होंगी। जाति व्यवस्था न केवल हिंदुओं में, बल्कि अन्य धार्मिक समूहों में भी प्रचलित है। इससे जनगणना के दौरान समस्याएं पैदा हो सकती हैं। बौद्ध, जैन और सिख भी व्यवहार में जातियों में विभाजित हैं। ईसाइयों में लगभग 300 जातियां दर्ज हैं और मुसलमानों में 500 जातियां व्यवहार में हैं, हालांकि उनका सैद्धांतिक दृष्टिकोण यह है कि उनके बीच कोई जाति विभाजन नहीं है। सभी धर्मों में दलित, आदिवासी और ओबीसी हैं। वास्तव में, हिंदू जहां भी गये, वे दूसरे धर्मों में धर्मांतरण करने के बाद भी अपनी जातियों के साथ गये। दलित, आदिवासी और ओबीसी अपने धर्मों से इतर आरक्षण की मांग करते रहे हैं। वास्तविक जनगणना से पहले इस मुद्दे पर विशेष विचार करने की आवश्यकता होगी।

फिर भी, जनगणना के बाद, हमें यह जानकारी होगी कि लगभग 100 वर्षों के अंतराल के बाद, देश में जाति व्यवस्था वर्तमान में कैसे काम कर रही है। 1951 की जनगणना के दौरान, भारत सरकार ने केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की जनगणना की अनुमति दी थी। इससे स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आयी, और इसलिए 1961 तक, केंद्र सरकार ने ओबीसी की जनगणना के लिए राज्यों को अनुमति दे दी, यदि वे ऐसा चाहें। यह एक तरह के सर्वेक्षण की अनुमति थी, लेकिन राष्ट्रीय जाति जनगणना से इनकार कर दिया गया। 1980 में मंडल आयोग ने ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश के साथ जाति के आंकड़ों को तीव्र गति से सामने लाया। प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 1990 में मंडल आयोग की सिफारिश को लागू किया, जिसका इस देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन पर असर पड़ रहा है। भाजपा की कमंडल राजनीति, यानी हिंदुत्व सांप्रदायिक राजनीति इसके समानांतर चली। भाजपा 1998 और 1999-2004 में केंद्र में सरकार बनाने में सफल रही। उन्होंने अपनी हिंदुत्व ब्रांड की राजनीति में बड़ी सं या में ओबीसी को शामिल किया।

कांग्रेस नेतृत्व वाले यूपीए शासन के दौरान सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) 2011 ने जाति के आंकड़े एकत्र किये, लेकिन जनगणना के निष्कर्ष कभी जारी नहीं किये गये। न तो भाजपा और न ही कांग्रेस ओबीसी राजनीति के प्रमुख लाभार्थी के रूप में उभरने में सक्षम थे। प्रमुख लाभार्थी सभी रंगों के समाजवादी बने रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से ही हिंदुत्व और ओबीसी की राजनीति कर रहे हैं। फिर भी, 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने उन्हें लोकसभा में 240 सीटों पर ला खड़ा किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने के लिए अन्य राजनीतिक दलों से समर्थन लेने की ज़रूरत पड़ी, जिनमें से प्रमुख हैं - बिहार की जेडी(यू) और आंध्र प्रदेश की टीडीपी, दोनों का ओबीसी और दलितों के बीच अच्छा-खासा आधार है।

ध्यान रहे कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने लोकसभा चुनाव से पहले आज़ाद भारत में देश का पहला जाति सर्वेक्षण 2023 में कराया था, जब वे आरजेडी और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में थे। नीतीश कुमार ने 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इंडिया ब्लॉक छोड़कर एनडीए का दामन थाम लिया। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना की मांग की और ओबीसी राजनीति को राजनीति के केंद्र में ला दिया। हाल के दिनों में बिहार के बाद तेलंगाना और कर्नाटक ने भी ओबीसी राजनीति के हिस्से के रूप में जाति सर्वेक्षण कराया है। कांग्रेस वर्तमान में तेलंगाना और कर्नाटक में सत्ता में है और उसने राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना का वायदा किया और इसकी मांग की। बिहार में 2025 के अंत में चुनाव होने जा रहे हैं, जहां जाति चुनाव हारने या जीतने में एक महत्वपूर्ण कारक है। केंद्र ने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि जाति जनगणना कब करायी जायेगी और इसके लिए तौर-तरीके कब तैयार किये जायेंगे, और वे किस प्रकार के होंगे जिससे कि विवाद न हो।

फिर भी, जब कभी जाति जनगणना के आंकड़े जारी किये जायेंगे, तो इससे जाति व्यवस्था की मौजूदा कार्यप्रणाली का ज्ञान मिलेगा, जो भविष्य की राजनीति, आर्थिक और अन्य संसाधनों के बंटवारे और सामान्य रूप से सामाजिक व्यवहार का आधार बनेगा। इसमें हमारे समाज में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक असमानता की बड़ी समस्या को हल करने की क्षमता है, लेकिन इसमें जाति-आधारित संघर्ष और विभाजन का संभावित जोखिम भी है, जो शायद हिंदुओं तक सीमित न रहे। भारत को सावधानी से कदम उठाने की जरूरत है।

विविध समाचार

सत्यापन होने की प्रक्रिया के बाद आने लगेगा मंईयां सम्मान योजना का पैसा, डीसी ने कर दिया एलान

रांची १५/११ (संवाददाता): झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मु यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर नया अपडेट सामने आया है। रांची के डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने एक बड़ा एलान किया है जो कि महिलाओं के लिए खुशखबरी देने वाली जानकारी है। उन्होंने कहा कि बस सत्यापन होने की प्रक्रिया खत्म होते ही महिलाओं के अकाउंट में पैसे आने लगेंगे।

उन्होंने कहा कि सत्यापन के बाद योग्य महिलाओं के ही अकाउंट में पैसे भेजे जाएंगे। जिनकी

जानकारी गलत होगी उन्हें पैसे नहीं दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि धरातल पर प्रभावशाली क्रियान्यवन संपूर्ण जिला प्रशासन का दायित्व है। लाभुकों के बीच योजना को लेकर सकारात्मक फीडबैक जाए।

जिला प्रशासन की टीम को इसे सुनिश्चित करना है। जिन लाभुकों के खाते में स मान राशि नहीं आई है, उन्हें बताएं कि सत्यापन के बाद सभी योग्य लाभुकों को योजना का लाभ मिलेगा। ये बातें जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कही।वे शुक्रवार को औचक रूप से वार्ड-02 स्थित हातमा भट्ठा उप टोला में चल रहे झारखंड मु यमंत्री मंईयां स मान योजना का सत्यापन देखने पहुंचे थे। उन्होंने आंगनबाड़ी सेविका को निर्देश देते हुए कहा कि लाभुकों के सत्यापन पर फोकस करें।

सभी आंगनबाड़ी सेविका अपने-अपने क्षेत्र में लाभुकों के सत्यापन का कार्य करें। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में सत्यापन फार्म का सुचारू रूप से वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मंईयां स मान योजना की राशि इस बार काफी महिलाओं को नहीं मिली है। बगोदर प्रखंड में भी हजारों महिलाओं के खाते में अभी तक राशि नहीं पहुंची है। वैसी महिलाएं काफी परेशान हैं। वे प्रखंड कार्यालय समेत बैंकों जमी रहती हैं।

बगोदर प्रखंड में करीब 36000 महिलाएं मंईयां स मान योजना की लाभुक है, लेकिन प्रखंड के विभिन्न गांवों की 8305 महिलाओं को इस बार 7500 रुपये का भुगतान नहीं हो पाया है। जबकि 186 लाभुकों का नाम उक्त योजना से हटाया गया। इससे महिलाओं में मायूसी है।

बताया जाता कि जिन महिलाओं का बैंक खाता डीबीटी से जुड़ा है, उनके खाते में पैसा आ गया। वैसी महिलाएं गदगद हैं। - चक्कर लगा रही महिलाएं = जिन महिलाओं के खाते में पैसा नहीं आया है वे अपने प्रपत्रों को सुधारने में लगी हैं।इसके लिए प्रखंड कार्यालय, बैंकों और प्रज्ञा केंद्रों में महिलाओं की काफी भीड़ देखी जा रही है।

महिलाओं ने बताया कि इस बार की राशि नहीं मिलने से काफी परेशान हैं। हर जगह चक्कर लगाना पड़ रहा है। किस कारण राशि नहीं मिली इसका भी संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है। - मंईयां स मान योजना के तहत अब तक मात्र एक हजार रुपये जनवरी माह में आया है। इस बार की राशि नहीं मिली है। राशि नहीं आने के कारण परेशान हैं। पंचायत कार्यालय से लेकर प्रखंड मु यालय का चक्कर लगा चुके हैं।

आज का राशिफल

मेष - आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन-देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ - गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन - शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी - व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क - गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह - आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या - गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला - गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख- शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक - आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु - गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर - आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन-मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार-धंधे में लाभ होगा।

कुंभ - गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन - आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

अलकतरा घोटाला मामले में बिहार के पूर्व मंत्री सहित 5 अभियुक्तों को 3-3 साल की सजा

रांची १५/११ (संवाददाता):सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने शनिवार को अलकतरा घोटाला मामले में एकीकृत बिहार के पूर्व मंत्री इलियास हुसैन सहित पांच अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए तीन-तीन साल कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने पांचों अभियुक्तों पर 15-15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर अभियुक्तों को अतिरिक्त जेल काटनी होगी। 28 साल बाद इस मामले में फैसला आया है। अदालत ने 27.70 लाख रुपये के घोटाले में इलियास हुसैन के साथ उनका पीए शहाबुद्दीन बेग, आपूर्तिकर्ता पवन कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल एवं तत्कालीन कार्यपालक अभियंता विनय कुमार सिन्हा को सजा सुनाई है। इलियास हुसैन और शहाबुद्दीन बेग को अलकतरा घोटाले के तीन मामलों में अब तक तीन से पांच साल तक सजा सुनाई गई है। वहीं, मामले

में ट्रायल फेस कर सात आरोपितों को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी किया गया। अदालत ने केदार पासवान, गणपति रामनाथ, शीतल प्रसाद माथुर, तरुण कुमार गांगुली, रंजन प्रधान, शोभा सिन्हा और महेश चंद्र अग्रवाल को बरी किया। अदालत ने 24 जनवरी को 12 आरोपितों का बयान दर्ज किया था। 22 मार्च को दोनों पक्षों की अंतिम बहस पूरी होने के बाद फैसले की तिथि निर्धारित की गई थी। मामले को लेकर 1997 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। वर्ष 1994 में पथ निर्माण विभाग के हजारीबाग डिविजन में सड़कों का निर्माण कार्य किया जाना था। इसके लिए हल्दिया ऑयल रिफाइनरी कोलकाता से अलकतरा आना था। लेकिन मंत्री के साथ इंजीनियरों ने कंपनी से सांठगांठ कर सरकार को करोड़ों का चूना लगाया। घोटाले की जांच सीबीआई को साल 1997 में सौंपी गई। सीबीआई ने उक्त मामले में सात मई 1997 को प्राथमिकी दर्ज की थी। सीबीआई ने अलकतरा घोटाले के लेकर उस समय सात अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर जांच प्रारंभ की थी। सीबीआई की त तीश में सरकार को चूना लगाने के सबूत मिले। इसके आधार पर सीबीआई ने बिहार के तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री इलियास हुसैन सहित तीन दर्जन से अधिक लोक सेवकों व निजी व्यक्तियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। सीबीआई ने पाया कि आईओसी कोलकाता से अलकतरा हजारीबाग पहुंचा, लेकिन जहां इसका उपयोग किया जाना था, वहां नहीं हुआ। आरोपितों पर करीब 510 मैट्रिक टन अलकतरा अवैध तरीके से बेचने का आरोप है।

मंत्री संजय सेठ और भैरव सिंह सहित सैकड़ों लोगों पर केस हुआ दर्ज

रांची १५/११ (संवाददाता):पंडरा ओपी में अलग-अलग मामले में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, भैरव सिंह समेत सैकड़ों लोगों पर सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के आरोप में केस हुआ है। यह केस मनीष कुमार के बयान पर हुआ है। मनीष कुमार ने बयान में कहा है कि संजय सेठ, मालीत ओझा, कुमुद झा, बैजू सोनी, सत्यनारायण सिंह, प्रदीप ओझा, धर्मेंद्र साहू, अशोक यादव सहित 70 बंद समर्थक भाजपा नेता अनिल महतो की हत्या के बाद अगले दिन रांची बंद के दौरान हाथ बांस और लाठी लिए हुए उग्र नारा लगा रहे थे। पिस्का मोड़ मु य मार्ग को जाम कर आवागमन को बाधित कर दिया गया था। पुलिस द्वारा आमगमन शुरू कराने का प्रयास किया गया लेकिन संजय सेठ और अन्य आरोपित वहां से हटने के लिए तैयार नहीं थे। वहीं पर धरने पर बैठ गए। सड़क जाम और धरना का नेतृत्व कर रहे संजय सेठ से कई बार हटने के लिए आग्रह किया गया, लेकिन वहां नहीं हटे। समर्थकों के द्वारा आसपास की दुकानों को जबरन बंद करा दिया गया। सड़क पर टायर जलाकर विरोध किया गया। टायर के जलाए जाने के आस-पास के दुकानों में आग लगने का खतरा उत्पन्न हो गया। इससे दुकानदार डर गए और दुकान बंद कर भाग निकले।

पिस्का मोड़ में स्थिति अनियंत्रित हो गई थी।

समर्थकों के द्वारा पुलिस के साथ धक्का मुक्की की गई। छात्रों और मरीजों की समस्याओं को देखते हुए उपलब्ध पुलिस बल की मदद से स्थिति का सामान्य किया गया। पंडरा में रहने वाले कारोबारी भूपल साहू की हत्या होने के बाद अगले दिन सैकड़ों लोग सड़क पर उतर गए थे। पंडरा को जाम कर दिया गया था। आरोपित भरत काशी और विक्की लोहरा के नेतृत्व में 70 से 80 बंद समर्थकों ने सभी दुकानों को बंद करा दिया था। आवागमन को पूरी तरह से रोक दिया गया था। समर्थक हाथ बांस और लाठी लिए हुए उग्र नारा लगा रहे थे। रवि स्टील चौक के पास भैरव सिंह अपने 30 समर्थकों के साथ पहुंचा और मु य मार्ग को जाम कर आवागमन को रोक दिया। पुलिस के द्वारा बल का प्रयोग किया गया तब भैरव सिंह अपने साथियों के साथ वहां से हटा। भाजपा नेता अनिल टाइगर हत्याकांड में शामिल अपराधी अमन सिंह की तलाश में कई इलाकों में छापेमारी की जा रही है। लेकिन अमन तक पुलिस पहुंच नहीं पा रही है। हालांकि पुलिस दावा कर रही है कि जल्द ही अमन की गिर तारी होगी। अमन के पीछे पुलिस लगी हुई है। पुलिस अमन के पास जबतक पहुंच रही है वह कुछ ही देर पहले वहां से निकल जा रहा है। पुलिस ने हिंदपीढ़ी में रहने वाले एक युवक को हिरासत में लिया है। युवक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जिस युवक को हिरासत में लिया गया है उसने अमन और रोहित को ठहरने में मदद पहुंचाया था। पुलिस का कहना है कि इस घटना में रोहित, अमन के अलावा कई लोगों की संलिप्ता है। रांची पुलिस जूता कारोबारी भूपल साहू हत्याकांड में मोहल्ले में रहने वाले एक युवक की तलाश में छापेमारी कर रही है। सीसीटीवी से पता चला है कि जिस व्यक्ति ने घटना को अंजाम दिया है, वह मोहल्ले में रहता था। आपसी विवाद में भूपल की हत्या कर दी गई है। हालांकि इस मामले में पुलिस अभी सिर्फ इतना कह रही है कि अपराधी पहचान हो गई है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर में 1 करोड़ की राशि बांटी

चौपारण १५/११ (संवाददाता): जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग सचिव पुरुषोत्तम कुमार गोस्वामी के निर्देशन में प्रखंड मु यालय सभागार में विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन बीडीओ प्रेमचंद कुमार सिन्हा के नेतृत्व में रविवार को किया गया। शिविर कार्यक्रम का उद्घाटन मु य अतिथि न्यायिक दंडाधिकारी प्रियंका चोपड़ाए विशिष्ट अतिथि विधायक सह निवेदन समिति सभापति उमाशंकर अकेलाए सांसद प्रतिनिधि मुकुंद सावए थाना प्रभारी स्वप्न कुमार महतोए अधिवक्ता सह पैनल लॉयर मुरली राणाए पीएलवी हरेंद्र कुमार राणा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।मंच से जिला न्यायिक दंडाधिकारीए विधायक अकेला सहित अन्य ने बारी.बारी से कानूनी जागरूकता से संबंधित जानकारी दिए। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग कानून और अपने अधिकार के बारे में जानकारी नही होने के कारण सामाजिक न्याय से वंचित रह जाते हैं। न्यायालय में शीघ्र एवं सस्ता न्याय मिलना अभी के समय में बहुत कठिन हो गया है। संविधान के अनुच्छेद 39 ;कद्ध में हर नागरिक को सामाजिक न्याय प्रदान करने की बात की गई है। जिसके अनुसार कोई भी व्यक्ति आर्थिक या किसी अन्य कारण से न्याय से वंचित नहीं रह सकता। हर नागरिक को समान अवसर के साथ.साथ आसानी से न्याय उपलब्ध होना चाहिए। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए 1987 में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के अंतर्गत केंद्रए राज्य एवं जिला स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समितिए उप समिति एवं तहसील विधिक सेवा समिति का गठन किया गया। .जिसके अंतर्गत लोगों को सरकारी खर्च पर वकीलए कोर्ट फीस के लिए खर्चए अभिलेख कागजातों को तैयार करने का खर्चए गवाहों को आने.जाने का खर्चए मुकदमे से संबंधित अन्य जरूरी खर्च कि सुविधाएं लोगों को प्राप्त है। साथ ही लोग निशुल्क विधिक सेवा पाने का हकदार हैं। जिसमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सदस्य अनैतिक अत्याचार के शिकार लोग या ऐसे लोग जिनको सामाजिक शोषणए बेगारी कराई जाती है।

8 शहरों में स्ट्रीट वेंडर्स को जगह

रांची १५/११ (संवाददाता):झारखंड में स्ट्रीट वेंडर्स को अब न केवल उचित जगह मुहैया कराई जाएगी बल्कि उन्हें संस्थागत ऋण और कौशल मुहैया कराया जाएगा। उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा। झारखंड सरकार की तरफसे इस दिशा में पहल शुरू कर दी गई है। इसके लिए सरकार प्राइवेट कंसल्टेंसी रुद्राभिषेक एंटरप्राइजेज लिमिटेडद्ध को नियुक्त की है। कंसल्टेंसी 2 क्लस्टर्स में 8 शहरों को कवर करेगी। इसमें आदित्यपुर नग रनिगम, मैंगो नगर निगम, जमशेदपुर एनएसी, चाईबासा नगर परिषद, सरायकेला नगर पंचायत, मेदिनीनगर नगर निगम, गढ़वा नगर परिषद और लातेहार नगर पंचायत शामिल है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

क्रलिंग समाचार | राउरकेला, रविवार 16 नवंबर 2025 | पृष्ठ-6

एसजेटीए ने भक्तों से महाप्रसाद ग्रहण करते समय पारंपरिक प्रथाओं का पालन करने का आग्रह किया

भुवनेश्वर १५/११ (संवाददाता): श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने शनिवार को सभी भक्तों से अनुरोध किया कि वे परंपरा से हटकर कुछ भी न करें, खास तौर पर भोजन की मेज पर महाप्रसाद (भगवान जगन्नाथ को चढ़ाया जाने वाला पवित्र भोजन) खाने से।यह अपील उन लोगों की रिपोर्ट के बाद की गई है, जो होटल की डाइनिंग टेबल पर बैठकर महाप्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। इस प्रथा ने मंदिर के अनुयायियों के बीच चिंता पैदा कर दी है। एसजेटीए ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि मंदिर प्रशासन को सोशल मीडिया पर एक तस्वीर के बारे में पता चला, जिसमें पुरी के एक होटल में महाप्रसाद खाते हुए लोगों को दिखाया गया है।

इस तस्वीर ने तुरंत ध्यान आकर्षित किया और पवित्र भोजन के प्रति उचित श्रद्धा के बारे में सवाल उठाए। एसजेटीए ने इस बात पर जोर दिया कि महाप्रसाद केवल भोजन नहीं है, बल्कि एक दिव्य प्रसाद है जिसे अन्नब्रह्म के रूप में जाना जाता है, जिसे भगवान जगन्नाथ को चढ़ाए जाने के बाद पवित्र पदार्थ माना जाता है।

सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार, महाप्रसाद को स मान और विनम्रता के प्रतीक के रूप में ज़मीन पर बैठकर ग्रहण किया जाना चाहिए।

इसे ध्यान में रखते हुए, मंदिर प्रशासन ने सभी भक्तों से इस पुरानी परंपरा को बनाए रखने और खाने की मेज पर महाप्रसाद का सेवन करने से बचने का आह्वान किया। इसके अलावा, एसजेटीए ने होटलों और रेस्तराओं से इस सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा के प्रति सचेत रहने और अपने ग्राहकों को तदनुसार सलाह देने का आग्रह किया।

बिस्किट फैक्ट्री में लगी भीषण आग

कटक १५/११ (संवाददाता):जगतपुर के न्यू इंडस्ट्रियल एस्टेट में शनिवार को बिस्किट निर्माण इकाई में भीषण आग लग गई, जिसमें मशीनरी, कच्चा माल और 1 करोड़ से ज़्यादा का सामान जलकर खाक हो गया। यह घटना कथित तौर पर बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण हुई। आग बुझाने की कोशिश करते समय घायल हुए फैक्ट्री मालिक दुर्गा माधब पाणिग्रही ने बताया कि महत्वपूर्ण उपकरण और स्टोर की गई सामग्री पूरी तरह जलकर खाक हो गई। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय अधिकारियों ने आग के सही कारण का पता लगाने और नुकसान की पूरी सीमा का आकलन करने के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए समन्वय कर रहे हैं. पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए समन्वय कर रहे हैं.

वन-पर्यावरण विभाग ने राज्य में ताड़ के पेड़ लगाने की एक बड़ी पहल की घोषणा

भुवनेश्वर १५/११ (संवाददाता):ओडिशा में बिजली गिरने से होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक सक्रिय कदम उठाते हुए, वन और पर्यावरण विभाग ने पूरे राज्य में ताड़ के पेड़ (ताला गच्छा) लगाने की एक बड़ी पहल की घोषणा की है। चालू वित्त वर्ष में 6 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश वाली इस परियोजना का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण का समर्थन करते हुए सार्वजनिक सुरक्षा में सुधार करना है। वन और पर्यावरण मंत्री गणेश राम सिंहखुंटिया ने कहा कि सरकार बिजली गिरने की आशंका वाले क्षेत्रों में ताड़ के पेड़ लगाने के प्रयासों को तेज कर रही है, क्योंकि ये पेड़ प्राकृतिक रूप से बिजली के कंडक्टर के रूप में काम करते हैं।

मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ताड़ के पेड़ आंधी के दौरान विद्युत आवेशों को फैलाने में मदद करते हैं, जिससे घातक बिजली गिरने का जोखिम कम होता है। जून 2015 में ओडिशा सरकार ने आधिकारिक तौर पर बिजली गिरने को राज्य-विशिष्ट आपदा घोषित किया था। मौजूदा पेड़ों की सुरक्षा के लिए, सरकार ने पिछले साल किसी भी ताड़ के पेड़ को काटने से पहले वन विभाग से अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया था - यहाँ तक कि निजी भूमि पर भी। खुंटिया ने कहा कि इस साल का पौधारोपण अभियान पिछले प्रयासों से काफी आगे है। पिछले साल, हमने 20 लाख ताड़ के पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा था, जिसे हमने सफलतापूर्वक हासिल कर लिया।

इस साल, हम इस पहल को और आगे बढ़ाने के लिए 5 से 6 करोड़ देने जा रहे हैं, उन्होंने कहा। यह सिर्फ़ पेड़ लगाने के बारे में नहीं है - यह जीवन बचाने के बारे में है, मंत्री ने ज़ोर देकर कहा, यह देखते हुए कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्र खेत और सड़कों जैसे खुले क्षेत्रों के संपर्क में आने के कारण गरज के साथ बारिश के दौरान विशेष रूप से कमज़ोर होते हैं। विभाग बड़े पैमाने पर पौधारोपण के लिए कृषि क्षेत्रों, गाँव के बाहरी इलाकों और राजमार्ग गलियारों जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने की योजना बना रहा है। बिजली सुरक्षा को बढ़ाने के अलावा, इस पहल से जलवायु लचीलापन, जैव विविधता में सुधार और प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के व्यापक लक्ष्य का समर्थन करने में योगदान मिलने की उ मीद है।

ओडिशा निजी एंबुलेंस सेवाओं को विनियमित करेगा

भुवनेश्वर १५/११ (संवाददाता):ओडिशा में आपातकालीन चिकित्सा परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वाणिज्य एवं परिवहन विभाग की प्रधान सचिव उषा पाढी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की आयुक्त-सह-सचिव सुश्री अश्वथी एस. के साथ एक बैठक बुलाई गई।बैठक में राज्य भर में निजी ए बुलेंस सेवाओं के लिए एक व्यापक नियामक ढांचा विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा अंतराल को पाटने में निजी ए बुलेंस की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए - विशेष रूप से दूरदराज और कम सेवा वाले क्षेत्रों में - बैठक में अधिक पारदर्शिता, परिचालन स्थिरता और नागरिक पहुंच की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस उद्देश्य के लिए, सभी निजी ए बुलेंस को एक एकल, मानकीकृत मंच के तहत लाने के लिए एक अभियान-मोड पंजीकरण अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया। यह अभियान एक सत्यापित डेटाबेस बनाने, प्रवर्तन को सुव्यवस्थित करने और सेवाओं की कुशल, वास्तविक समय पर तैनाती को सक्षम करने में मदद करेगा। विचार-विमर्श का एक प्रमुख आकर्षण निजी ए बुलेंस ऑपरेटरों को पंजीकरण करने और सेवा दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रस्ताव था। प्रोत्साहन उपायों के साथ-साथ विनियामक स्पष्टता से व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और विकसित ढांचे के साथ स्वैच्छिक अनुपालन सुनिश्चित करने की उ मीद है। अनधिकृत या शोषणकारी प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए स त प्रवर्तन तंत्र द्वारा इसका समर्थन किया जाएगा। इसके अलावा, सभी पंजीकृत ए बुलेंस को वाहन स्थान ट्रैकिंग सिस्टम (वीएलटीएस) के साथ एकीकृत किया जाएगा, जिससे जीपीएस-आधारित निगरानी और तेज़ आपातकालीन प्रतिक्रिया की अनुमति मिलेगी। ए बुलेंस सेवाओं को ओडिशा यात्री ऐप से जोड़ने की भी योजनाएँ चल रही हैं, जिससे एक सहज, तकनीक-सक्षम प्लेटफ़ॉर्म बनाया जा सके जहाँ नागरिक आसानी से ए बुलेंस सेवाओं का पता लगा सकें, बुक कर सकें और उन तक पहुँच सकें - जिससे अंतिम मील तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचाई जा सके। नागरिकों को मनमाने शुल्क से बचाने के लिए, विभागों ने किराया विनियमन के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के विकास का भी प्रस्ताव रखा। समय और भौगोलिक क्षेत्रों में निष्पक्षता और सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए किराया संरचना को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) से अनुक्रमित किया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक डॉ. ब्रुंधा डी, अतिरिक्त डीएमईटी डॉ. बिजय महापात्रा, उप अधीक्षक कैपिटल अस्पताल डॉ. धनंजय दास, संयुक्त निदेशक सड़क सुरक्षा तपन कुमार मिश्रा और दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और सफल कार्यान्वयन के लिए अंतर्दृष्टि साझा की।यह पहल भविष्य के लिए तैयार, समावेशी और नागरिक-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा और परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है।

आरएसपी में अवकाशकालीन प्रशिक्षण का पहला बैच शुरू

राउरकेला १५/११ (संवाददाता):राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) में स्नातक इंजीनियरिंग छात्रों के लिए अवकाशकालीन प्रशिक्षण-2025 की शुरुआत 12 मई 2025 को ज्ञानार्जन एवं विकास (एलएंडडी) विभाग के गोपबंधु सभागार में पहले बैच के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम के साथ हुई। उल्लेखनीय है कि, देश भर के विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के 350 छात्र इस्पात निर्माण की बारीकियां सीखने के लिए पहले चरण के प्रशिक्षण में शामिल हुए हैं। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मु य महाप्रबंधक (एलएंड डी), श्री पी के साहू ने की। इस अवसर पर महाप्रबंधक (एलएंडडी), सुश्री चैताली दास भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को एकीकृत इस्पात संयंत्र की गतिविधियों से परिचित कराना और उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सुरक्षा सावधानियों से अवगत कराना था। एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान छात्रों को प्रस्तुतीकरण और ऑडियो-विजुअल के माध्यम से आरएसपी के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, प्रक्रिया प्रवाह, उत्पादों और सुरक्षा नियमों और दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी दी गई।

प्रशिक्षुओं को एक गहन अनुभव देने के लिए, एकीकृत इस्पात संयंत्र की पूरी उत्पादन श्रृंखला का एक डिजिटल वॉकथ्रू उन्हें वीआर फिल्म के माध्यम से दिखाया जा रहा है।

इसके बाद उन्हें विभिन्न विभागों को सौंपा जायेगा, जहाँ वे अपने नामित मार्गदर्शकों के तहत कार्यों को सीखेंगे और परियोजना रिपोर्ट तैयार करेंगे। उप महाप्रबंधक (एल एंड डी), श्री के के जायसवाल, ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि उप प्रबंधक (एल एंड डी), श्री एस के सुकुला ने समग्र कार्यक्रम का समन्वय किया। उल्लेखनीय है कि, हर गर्मियों में इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों से संबंधित इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं के सैकड़ों छात्र संयंत्र द्वारा प्रदान किए जा रहे अवकाशकालीन प्रशिक्षण में शामिल होते हैं और इस्पात निर्माण की बारीकियां सीखते हैं। न केवल ओडिशा बल्कि पूरे देश से छात्र अपनी इंटर्नशिप के एक हिस्से के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल होते हैं। एक विशाल एकीकृत इस्पात संयंत्र की तकनीकी और कार्यप्रणाली से परिचय छात्रों के मानसिक क्षितिज को व्यापक बनाता है और कई मायनों में उनके दृष्टिकोण को भी आकार देता है। आवेदकों की बड़ी सं या को ध्यान में रखते हुए, प्रशिक्षण तीन बैचों में आयोजित करने का कार्यक्रम बनाया गया है। पाठ्यक्रम की आवश्यकता के आधार पर प्रशिक्षण अवधि 30 से 60 दिनों तक होगी।

आरएसपी में आरडीसीआईएस और आईओसीएल के सहयोग से हॉट स्ट्रिप मिल-2 में स्वदेशी रोल बाइट लुब्रिकेशन तेल का प्रदर्शन परीक्षण शुरू

राउरकेला १५/११ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) ने सेल, रिसर्च एवं डेवलपमेंट सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील (आरडीसीआईएस) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के साथ मिलकर आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हॉट स्ट्रिप मिल-2 में स्वदेशी रूप से विकसित रोल बाइट लुब्रिकेशन तेल के प्रदर्शन परीक्षण का शुभारंभ किया। परीक्षण का उद्घाटन मु य महाप्रबंधक (एचएसएम् और औक्सिलिअरी), श्री सुब्रत कुमार ने किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (रोल शॉप), श्री समीर आर महापात्र और महाप्रबंधक प्रभारी (आरडीसीआईएस, राउरकेला केंद्र), श्री सुधीर तिर्की, के साथ-साथ आरएसपी और आरडीसीआईएस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मौके पर आईओसीएल से, आईओसीएल आरएंडडी के वरिष्ठ अनुसंधान प्रबंधक, डॉ. रामेश्वर चौधरी, आईओसीएल के वरिष्ठ तकनीकी सेवा प्रबंधक, श्री कुलदीप प्रधान और उनकी टीम भी उपस्थिति थी। इस कार्यक्रम में एचएसएम-2 के प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति देखी गई, जिनमें महाप्रबंधक (एचएसएम-2-इलेक्ट्रिकल), श्री रंजीत कुजूर, महाप्रबंधक (एचएसएम-2-ऑपरेशन), श्री दीपक कुमार यादव, एचएसएम-2के महाप्रबंधक (मैकेनिकल), श्री सुब्रत कानूनगो, महाप्रबंधक (ऑपरेशन), श्री एच एस इलाहाबादिया, महाप्रबंधक , श्री चिदानंद नायक, महाप्रबंधक, श्री मनोरंजन कुमार और सहायक महाप्रबंधक, श्री चिरंजीत जेना शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि, अभिनव रोल बाइट स्नेहन तेल को आरडीसीआईएस और आईओसीएल द्वारा व्यापक प्रयोगशाला अनुसंधान और आरडीसीआईएस प्रायोगिक रोलिंग मिल में पायलट-स्केल परीक्षणों के माध्यम से संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। प्लांट ट्रायल के उद्देश्य से, नए तैयार किए गए तेल के प्रभावी अनुप्रयोग को सक्षम करने के लिए हॉट स्ट्रिप मिल-2 के फिनिशिंग स्टैंड में संशोधित हेडर सहित समर्पित प्रणाली स्थापित की गई थी। परीक्षण का उद्देश्य वास्तविक परिचालन स्थितियों के तहत स्वदेशी हॉट रोलिंग तेल के प्रदर्शन और लाभों का आँकलन करना है। रोल बाइट स्नेहन से हॉट रोलिंग प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सुधार होने की उ मीद है, जिसमें रोल फ़ोर्स और ऊर्जा की खपत में कमी लाने, रोल्ड उत्पादों की बढ़ी हुई सतह की गुणवत्ता बढ़ाने और महत्वपूर्ण स्टील ग्रेड को रोल करने की बेहतर क्षमता शामिल है।

डकैती की साजिश रच रहे पांच आरोपित दबोचे

कटक १५/११ (संवाददाता):कटक चौद्वार थाना अंतर्गत मंगराजपुर बंदाल रास्ते के पास मौजूद काजू जंगल में एक बड़ी डकैती योजना को अंजाम देने के लिए योजना बनायी जा रही थी जिसके बारे में पुलिस को खबर मिली।

सूचना पर चौद्वार थाना पुलिस की एक टीम वहां पर छापेमारी की एवं उन्हे दबोच लिया।

मौके पर इनके पास से धारदार हथियार और गाड़ी जब्त किया गया है।गिर तार होने वाले पांचों आरोपित हैं चौद्वार 8 नंबर वार्ड अंतर्गत जयंती नगर का सुकांत स्वाइ;53द्धए आग्राहाट परीडा साही का रामचंद्र साहू ;21द्धए ओटीएम लेबर कॉलोनी का सोनू उर्फ श्रीकांत परिडा ;24द्धए चौद्वार तल बाजार इलाके का जगा उर्फ जगन्नाथ सामल ;32द्ध एवं ओटीएम लेबर कॉलोनी 12 नंबर वार्ड का झुना उर्फ हेमंत बोरा ;29द्ध। जानकारी के अनुसारए गिर तार होने वाले यह पांचों आरोपित मंगराजपुर बंदाल रास्ते के पास मौजूद काजू जंगल में बैठकर चौद्वार में मौजूद एक सोने की जेवर दुकान पर डकैती करने के लिए योजना बना रहे थे।इसके बारे में चौद्वार थाना पुलिस को विशेष सूत्रों से खबर मिली। चौद्वार थाना के सब इंस्पेक्टर सौ यश्री आशुतोष पाणी एक टीम के साथ वहां पर पहुंच कर अचानक से छापेमारी करते हुए सभी अपराधियों को दबोच लिया।

मौके पर तलाशी के बाद इनके पास से एक गैर नंबर वाली यामाहा मोटर साइकिलए 3 तलवारए 2 लोहे की छड़ी आदि बरामद की गई।